दो ईसाई देशों के जंगलों में हनुमान जी, ... पेज 5

दैनिक कारखाने का सफर

आजकल आदमी की दिनचर्या कारखाने की तरह दिन-रात चल रही है, इस दिनचर्या पर ही इस अखबार का नाम रखा गया है

धनतेरस पर मां लक्ष्मी का पूजन.. पेज 7

वर्ष 6, अंक 93 | भोपाल, मंगलवार 14 अक्टूबर, 2025 | कार्तिक कृष्ण पक्ष, अष्टमी, 2082 | मूल्य 2 रुपए

(श्रृंखला –5)

भेल कर्मचारियों की प्रतिष्ठित सहकारी संस्था बीएचईई थ्रिफ्ट एंड क्रेडिट को- आपरेटिव सोसायटी में आस्तीन के सांपों ने ही जहर फैलाया

- सबसे खास बनने वाले पहले विरोध दर्ज कराते रहे और तमाम भृष्टाचार के आरोप मुखिया के ऊपर लगाते रहे और बाद में हाथ मिलाकर कहा कि हम ही आपके खास हैं
- इस तरह के लोग खास नहीं हो सकते और ऊपर चढ़ाकर समय आने पर सबसे पहले सीढ़ी खींचकर गिराने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ते
- ऐसे लोगों को पहले भी कई बार बाहर का रास्ता दिखाया गया है, पता नहीं क्यों इस बार कौन सी कमजोरी है कि गलबैयां हो गए
- सोसायटी की वर्तमान सत्ता में आस्तीनों के सांपों को सदस्य बराबर पहचान रहे हैं, अभी नाम उजागर कर नहीं सकते, वर्ना अपनी बचाई हुई कुर्सी भी चली जाएगी
- इन्हीं लोगों की नजर बचत बाजार में 12 करोड़ की खरीदी पर है, उन्हें कर्मचारियों की एफडी, लोन, लाभांश या दूसरे मिलने वाले पैंसों या उनके हितों से कोई लेना देना नहीं है
- अगले साल सोसायटी के चुनाव हैं, जिन्हें एक साल टाला जा सकता है, इसलिए यह लोग चक्रब्यूह बनाने में लगे हैं, जिससे वर्तमान व्यवस्था को पूरी तरह से तहस नहस कर दें
- सोसायटी की व्यवस्था को तहस नहस करने में सबसे बड़ा नुकसान कर्मचारियों को होगा, ऐंसे लोगों के नाम उजागर होना जरूरी है, लेकिन अभी इशारा काफी है, बैंक की स्थिति सामान्य होने के एक सप्ताह बाद एक-एक नाम का उल्लेख किया जाएगा, जिनसे सोसायटी की छवि धूमिल हुई

किसी ने सही कहा है कि—

आस्तीनों में छुपा कर साँप भी लाए थे लोग,

शहर की इस भीड़ में कुछ लोग बाज़ीगर भी थे।

दैनिक कारखाने क सफर । भोपाल

भेल कर्मचारियों की प्रतिष्ठित सहकारी संस्था बीएचईई थ्रिफ्ट एंड क्रेडिट को-आपरेटिव सोसायटी में भेल कर्मचारियों यानि साढ़े चार हजार सदस्यों के हितों को किस प्रकार दर किनार किया गया है कि उसे संभालने में 6 माह से ज्यादा का वक्त लग जाएगा। क्योंकि शांत बैठे और अशांत हुए लोगों के बीच सामंजस्य बनाना आसान नहीं है। शांत और अशांत दोनों ही लोग अपने-अपने हिसाब से काम करना चाहेंगे और यह संभव नहीं होगा। बैंक ट्रांजेक्शन भले ही चालू हो जाए, लेकिन आस्तीन में बैठे लोगों का काम अडंगा लगाना रहेगा। इसी मकसद से लोग यहां आए थे और उनकी छवि पहले भी काफी खराब रही है। आने वाले चुनावो मे भेल कर्मचारी यानि सोसायटी के सदस्यों को अभी से उन लोगों की पहचान करनी होगी, जो आस्तीन में बैठकर अंदर आए। जबकि आस्तीन के बाहर रहकर जो लोग आए वह भी कम बाजीगर नहीं हैं, जिन्होंने भेल कर्मचारियों के हितों की न सोचकर बाजीगरी चाल चल दीं और यह उजागर हो गया कि असली लड़ाई 12 करोड़ की बाजार से की जा रही खरीदी के कारण ही है।

सोसायटी में चल रहे विवाद के बीच एक खत और दैनिक कारखाने का सफर अखबार के हाथ लगा जिसमें कहा गया है कि संस्था के बचत बाजार, सहकारी वस्त्रालय एवं अन्य कार्यों हेतु 12 करोड़ रुपए सालाना की पर्चेज के लिए पर्चेज पॉलिसी और जब तक पर्चेज पॉलिसी नहीं बन जाती पर्चेज कमेटी बनाई जाने वाली बात कही गई है। इसके साथ ही लगभग 140 करोड़ रुपए की संस्था को सुचारू रूप से पारदर्शिता पूर्वक संचालित करने के लिये कर्मचारी सेवा पॉलिसी (भर्ती, प्रमोशन एवं वेज रिवीजन एवं संस्था कर्मचारियों से जुड़े अन्य मुद्दे हेतु) लाने कि बात थ्रिफ्ट सोसायटी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर की मीटिंग में रखा जिसका सर्वसम्मति से समर्थन किया गया। इसके बाद भी इसे लागू नहीं किया गया। पर्चेज पॉलिसी और सर्विस रुल कब तक बनवाए जायेंगे, बार बार कहने पर एक्सपर्ट मध्यप्रदेश सहकारी संघ को थ्रिफ्ट सोसायटी द्वारा बायलॉज संशोधन, पर्चेज पॉलिसी एवं सर्विस रुल हेतु 75 हजार रुपए राशि निर्धारित करी गई एवं बनवाने की बात कही जिससे समय रहते दोनों पॉलिसी थ्रिफ्ट सोसायटी में लागू करवाया जा सके।

लेकिन पॉलिसी बनकर आने के बाद भी पर्चेज पॉलिसी एवं सर्विस रुल बोर्ड के सामने नहीं रखी गई और लगातार टालने का काम किया गया। यह सब क्यों और किसके द्वारा रोका गया। इससे कर्मचारियों का सीधा लाभ तो नहीं, लेकिन सोसायटी कर्मचारियों की है तो संस्था की प्रगति से लाभ को कर्मचारियों को ही होता। टालने और रोकने का काम जो लोग कर रहे हैं, यह सब वहीं आस्तीन के सांप हैं, जिनके नाम की जगह इशारा अभी किया गया है। दैनिक कारखाने का सफर अखबार हर हाल में अगले हफ्ते दीपावली के बाद कर्मचारियों के सामने नाम उजागर करेगा।

(दैनिक कारखाने का सफर अखबार में छठवी श्रृंखला में बुधवार को पढ़िए संचालकों के बीच घमासान पिसता है भेल कर्मचारी)

भेल में जीएसटी जागरूकता एवं अनुपालन विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन

दैनिक कारखाने क सफर । भोपाल

वित्त विभाग, बीएचईएल , भोपाल के तत्वावधान में, गत दिवस जीएसटी जागरूकता एवं अनुपालन विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रदीप कुमार उपाध्याय, महाप्रबंधक एवं इकाई प्रमुख (बीएचईएल भोपाल) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। विशिष्ट अतिथि वक्ता, सीए संदीप मुखर्जी और सीए संजीव मंगल, जीएसटी विशेषज्ञ के रूप में कार्यक्रम में उपस्थित थे। गौतम मजूमदार, महाप्रबंधक (सीएमजी, पीएमजी, सीसी एवं डीटीजी) और पवन कुमार श्रीवास्तव, महाप्रबंधक (वित्त) विशेष रूप से कार्यक्रम में उपस्थित थे। सीए जन्मेजय शर्मा, महाप्रबंधक (वित्त) ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस सत्र में कर्मचारियों के बीच प्रमुख जीएसटी प्रावधानों और हाल के नियामक परिवर्तनों के बारे में जागरूकता और समझ बढ़ाने के लिए बहुमूल्य जानकारी दी गई। इसमें ई-वे बिल, ई-इनवॉइस, क्रेडिट और डेबिट

नोट्स, एलयूटी के तहत निर्यात और 56वीं जीएसटी परिषद की सिफारिशों के अनुसार हाल के परिवर्तनों जैसे महत्वपूर्ण विषयों को शामिल किया गया। इस सेमिनार ने वित्त, सामग्री प्रबंधन, वाणिज्यिक और लॉजिस्टिक विभागों की भागीदारी के साथ विभिन्न कार्यों से संबंधित सीखने और चर्चा के लिए एक मंच प्रदान किया। साझा की गई अंतर्दृष्टि से बीएचईएल को मज़बूत जीएसटी अनुपालन और बेहतर परिचालन दक्षता की दिशा में मार्गदर्शन मिलने की उम्मीद है। जीएसटी के प्रमुख विषयों पर विस्तृत विचार-विमर्श से कर्मचारियों की व्यावहारिक समझ बढ़ी है, जिससे वे बेहतर समझ और बेहतर अनुपालन के साथ दैनिक कार्यों में जीएसटी प्रावधानों को लागू करने में सक्षम हुए हैं।

इस बार दिवाली के लिए खरीदी करने जरूर जाएंगे तो कुछ बातें जरूर ध्यान रखें

दैनिक कारखाने क सफर । भोपाल

अपने साथ-साथ अपने घर के कामगारों के लिए कुछ लेना ना भूले, आप दिवाली पर उन्हें जो पैसे देते हैं वह तो कुछ समय में खत्म हो जाते हैं परंतु आपकी दी हुई चीज महीनो या सालों तक उन्हें आपकी याद दिलाती है, और वह अपने आप को आपका कामगार समझने की बजाय परिवार का सदस्य मानकर काम करता है।

दीये तथा मूर्ति जरूरतमंद से ही ले । चाहे आप बेचने वाले या लेने वाले हमारी आदत भाव करने की हो गई है,भाव जरूर करें पर ज्यादा नही एक दिन सामने वाले को खुश करें पटाखे अगर चलाये तो रात समय का घ्यान रखें ताकिं बच्चों,वृद्धजनों तथा बीमार लोगो को तकलीफ न हो

इस वर्ष कुछ लोगों के घर दिवाली मिलने जरूर जायें क्योकि whatsapp, facebook, twitter के जमाने में हम मेल जोल की अनुभुति ही भुल गयें । दिवाली के दिन अपने घर, आफिस, दुकान,फेक्टरी पर आप दीपक लगायें तो अपने मंदिर,धर्मस्थल में भी दीपक जरूर जलाये या भेजें

और सबसे महत्वपूर्ण – 7 अगर आप व्यापारी है और अपेक्षा करते है किं लोग आनलाईन खरीदी की बजाय आपसे ही सामान ले तो ये भी न भूलें किं लोग डिस्काउन्ट की वजह से वहाँ से ले रहे है, प्रयास करें किं आप के पास भी उनका अनुभव अच्छा रहे।

–अरविन्द जैन

पीएम मोदी से मिलीं कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद

दैनिक कारखाने क सफर ।
एजेंसी नई दिल्ली

पीएम मोदी ने कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद से सोमवार को साउथ ब्लॉक अपने कार्यालय में मुलाकात की। प्रधानमंत्री ने दोनों देशों के बीच बिजनेस, एनर्जी, तकनीक, कृषि और सहयोग को लेकर चर्चा की। पीएम मोदी ने कनाडा के पीएम मार्क कार्नी को शुभकामनाएं दीं और आने वाली बैठकों का इंतजार करने की बात कही। प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा कि विदेश मंत्री आनंद के इस दौरे से दोनों देशों के रिश्ते और मजबूत होंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि वे प्रधानमंत्री कार्नी से जल्द मिलने को उत्सुक हैं। इससे पहले भारत और कनाडा के विदेश मंत्रियों की मुलाकात के बाद साझा बयान जारी किया गया। बयान में कहा गया कि दोनों देशों के बीच कई मुद्दों पर रोडमेप तैयार किया गया। दोनों मंत्रियों ने कहा कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता और तनाव के समय में मजबूत साझेदारी जरूरी है।

मंत्रियों ने 2024 में द्विपक्षीय व्यापार के 23.66 अरब डॉलर पहुंचने पर संतुष्टि जताई। भारतीय और कनाडाई कंपनियां एक-दूसरे के बाजारों में तेजी से व्यापार बढ़ा रही हैं।

व्यापार को आर्थिक विकास का आधार मानते हुए, दोनों पक्षों ने जल्द मंत्रिस्तरीय चर्चा शुरू करने का फैसला किया।

कनाडा-भारत सीईओ फोरम को फिर से शुरू किया जाएगा, जो साफ तकनीक, बुनियादी ढांचा, कृषि-खाद्य और डिजिटल नवाचार पर सिफारिशें देगा। यह फोरम 2026 की शुरुआत में वरिष्ठ व्यापार मिशन के दौरान होगा।

क्लाइमेट चेंज से निपटने के लिए दोनों देश सहयोग बढ़ाएंगे। पर्यावरण संरक्षण, न्यू एनर्जी, भारी उद्योगों से कार्बन कम करना, प्लास्टिक प्रदूषण रोकना जैसे क्षेत्रों में इनफॉर्मेशन साझा करेंगे। इससे आर्थिक विकास और नौकरियां भी बढ़ेंगी।

ऊर्जा क्षेत्र में कनाडा-भारत मिनिस्ट्री लेवल ऊर्जा डिस्कशन को फिर से शुरू किया जाएगा। एलएनजी, एलपीजी व्यापार, तेल-गैस खोज, साफ तकनीक, हरी हाइड्रोजन, जैव ईंधन, कार्बन कैप्चर, इलेक्ट्रिक वाहन पर सहयोग बढ़ेगा। बिजली प्रणाली प्रबंधन, उत्सर्जन कम करना, डिजिटीलरण, आपदा प्रबंधन पर दोनों देश बेस्ट तरीके साझा करेंगे। G20 जैसे मंचों पर ऊर्जा दक्षता बढ़ाने का काम करेंगे। कनाडा की खनन विशेषज्ञता से भारत को महत्वपूर्ण खनिज मिलेंगे। परमाणु ऊर्जा सहयोग और यूरेनियम आपूर्ति पर चर्चा जारी रहेगी। मार्च 2026 में टोरंटो में महत्वपूर्ण खनिज वार्षिक संवाद होगा।

AI और डिजिटल क्षेत्र में दोनों देशों ने एक दूसरे का सहयोग करने का फैसला लिया है। एआई रीच बढ़ाने के लिए साझेदारी होगी। कनाडाई एआई कंपनियां फरवरी 2026 में भारत के एआई प्रभाव शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगी।

अफगानिस्तान ने पाकिस्तान सीमा पर की गोलीबारी, 58 की मौत

दैनिक कारखाने क सफर ।
एजेंसी इस्लामाबाद

पाकिस्तान और अफगानिस्तान की सेनाओं के बीच शनिवार रात से रविवार तक जारी सीमा पर गोलीबारी हो रही है। जवाबी कार्रवाई के बाद पाकिस्तान ने रविवार को अफगानिस्तान के साथ अपने मुख्य सीमा चौकियों को बंद कर दिया है। मौजूद जानकारी के अनुसार, अफगान सरकार ने इस

दौरान 58 पाकिस्तानी सैनिकों की मौत होने का दावा किया है, जबकि 20 अफगानी सैनिक घायल हुए हैं। बता दें कि अफगान सैनिकों ने पाकिस्तानी सीमा चौकियों पर शनिवार देर रात हमला किया। अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने इसे पाकिस्तानी वायु हमलों के जवाब में बताया, जो पिछले सप्ताह अफगानिस्तान में किए गए थे। पाकिस्तान ने भी जवाबी कार्रवाई में गोली और तोपों का इस्तेमाल किया। दोनों देशों ने एक-दूसरे के सीमा चौकियों को नष्ट करने का दावा किया है। पाकिस्तान सुरक्षा अधिकारियों ने वीडियो भी साझा किया, जिसमें उनके अनुसार अफगानी चौकियों को निशाना बनाते हुए दिखाया गया।

गौरतलब है कि सीमा पर हुई यह गोलीबारी मुख्य रूप से रविवार सुबह तक शांत हो गई थी, हालांकि पाकिस्तान के कुर्रम क्षेत्र में कुछ स्थानों पर गोलीबारी के छोटे-छोटे हमले जारी रहे। अफगानिस्तान ने इस कार्रवाई को आधिकारिक तौर पर आधी रात तक खत्म बताया। अफगान प्रशासन ने कहा कि कतार और सऊदी अरब के अनुरोध पर हमलों को रोक दिया गया है। अफगान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने कहा कि अफगानिस्तान के किसी भी हिस्से में खतरा नहीं है और अफगान लोग अपनी जमीन की रक्षा के लिए पूरी तरह तैयार हैं। मौजूद जानकारी के अनुसार, पाकिस्तान की दो मुख्य सीमा चौकियां टोरखम और चमन बंद कर दी गई हैं। इसके अलावा खारलाची, अंगूर अड्डा और गुलाम खान जैसी तीन छोटी चौकियां भी बंद हैं। पाकिस्तान ने अपने अधिकारियों के हवाले से बताया कि पाकिस्तानी वायु हमलों में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (TTP) के एक नेता को निशाना बनाया गया था, हालांकि उनकी सुरक्षा या हताहत होने की पुष्टि नहीं हुई। अफगानिस्तान ने इस आरोप से इनकार किया है कि TTP के लड़ाके अफगान धरती से पाकिस्तान पर हमले कर रहे हैं।

बता दें कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान की लंबी सीमा लगभग 2,600 किलोमीटर है और दोनों देशों के बीच कई बार सीमा विवाद और हिंसा होती रही है। इस बार की घटनाओं ने दोनों देशों के बीच तनाव को और बढ़ा दिया है, और सीमाओं पर सुरक्षा को कड़ा कर दिया गया है। दोनों देशों ने फिलहाल शांति स्थापित करने और संघर्ष को बढ़ने से रोकने के लिए बातचीत की संभावना जताई है। स्थिति फिलहाल तनावपूर्ण बनी हुई हैं।

प्रदेश का सबसे बड़ा मेला भोजपाल महोत्सव मेला भेल दशहरा मैदान पर 14 नवंबर से

- ठंड का मौसम आते ही मध्यप्रदेश में मेलों का दौर भी शुरु हो रहा है अगले 4-5 महीनों में प्रदेशभर में कई बड़े मेले लगेंगे जिनमें लाखों लोग शामिल होंगे, इनमें से ही एक है भेल दशहरा मैदान भोपाल में प्रदेश का सबसे बड़ा भोजपाल महोत्सव मेला
- इस शानदार मेले के लिए स्टाल बुकिंग काफी दिन पहले ही शुरु हो गई है, भीड़ से बचने के लिए स्टाल बुकिंग फोन नंबर हरीश राम हरीश कुमार राम 9893747175 और विनय सिंह 9981708391 स्टाल बुक करवा सकते हैं

दैनिक कारखाने क सफर । भोपाल

ठंड का मौसम आते ही मध्यप्रदेश में मेलों का दौर भी शुरु हो रहा है। अगले 4-5 महीनों में प्रदेशभर में कई बड़े मेले लगेंगे जिनमें लाखों लोग शामिल होंगे। प्रदेश की राजधानी भोपाल में भी प्रदेश का सबसे बड़ा मेला लगेगा। राजधानी के भेल दशहरा मैदान पर भोजपाल महोत्सव मेला का आयोजन किया जाएगा। 14 नवंबर से प्रारंभ होनेवाला भोजपाल मेला सस्ते सामानों के लिए विख्यात है। मेले में इस बार अत्याधुनिक झूलों के साथ सर्कस भी लोगों को लुभाएगा।

भोजपाल महोत्सव मेले में इस बार शहरवासियों को बहुत कुछ नया देखने को मिलेगा। एक ओर सर्कस में रशियन और अफ्रीकन कलाकारों के रोमांचक करतब देख सकेंगे। वहीं दूसरी ओर यहां देश का सबसे बड़ा झूला रोलर कोस्टर, टावर, रेंजर, आक्टोपस और ब्रेक डांस भी आ रहे हैं।

भेल जनसेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित भोजपाल महोत्सव मेला की शुरुआत 14 नवंबर को शाम 7 बजे से भजन संध्या के साथ की जाएगी। भोजपाल महोत्सव मेला समिति के अध्यक्ष सुनील यादव ने बताया कि यहां आनेवाले लाखों लोगों की सुविधा के लिए समुचित व्यवस्था की जा रहीं हैं। मनोरंजन के अलावा भोजपाल महोत्सव मेले में हर प्रकार के सस्ते सामान मिलते हैं। पूरे इलाके में यह मेला सस्ते सामानों के लिए जाना जाता है। 12 एकड़ क्षेत्र में फैले मेले में लगी दुकानों में सभी प्रकार का सामान बहुत कम दरों पर मिलता है। यही कारण है कि मेले में राजधानी सहित आसपास के क्षेत्रों, जिलों और नगरों से करीब 20 लाख लोग शिरकत करते हैं। इस बार भी भोजपाल मेले में कपड़ों से लेकर घरेलू जरूरतों की सैंकड़ों दुकानें लगाई जा रही हैं।

सीढ़ियों पर बैठकर लोगों की समस्याएं सुनीं, ज्ञापन नहीं लिया

जमीन कब्जाने के मामले में रतलाम कलेक्टर महिलाओं से बोलीं- गांव आकर समस्याएं देखूंगी

दैनिक कारखाने का सफर। रतलाम

हाथों में नारे लिखी तख्तियां लेकर समाज के लोग रैली के रूप में पहुंचे और धरने पर बैठ गए। रतलाम जिले के आदिवासी क्षेत्रों में खदानों के आवंटन और भूमाफिया द्वारा जमीन कब्जाने के विरोध में सोमवार को आदिवासी समाज के लोगों ने कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन किया। हाथों में नारे लिखी तख्तियां लेकर समाज के लोग रैली के रूप में पहुंचे और धरने पर बैठ गए। प्रदर्शनकारियों ने अपर कलेक्टर को ज्ञापन देने से इनकार कर दिया और कलेक्टर मिशा सिंह को बुलाने की मांग पर अड़ गए। प्रदर्शन के करीब 2:30 घंटे बाद कलेक्टर निकलीं। सीढ़ियों पर बैठी रहीं लेकिन लोगों से ज्ञापन नहीं लिया। उन्होंने महिलाओं से कहा कि आपके गांव आकर समस्याएं देखूंगी। प्रदर्शन में जिला पंचायत उपाध्यक्ष केशुराम निनामा, आदिवासी परिवार के दिनेश माल सहित कई सरपंच भी शामिल हुए। समाज के लोग 'एक तीर एक समान, भू माफिया को जमीन देना बंद करे', 'सरकार देश की चालक है, आदिवासी देश का मालिक है' और 'जो जमीन सरकारी है वो जमीन हमारी है' जैसे नारे लिखी तख्तियां हाथों में लेकर पैदल रैली के रूप में कलेक्ट्रेट पहुंचे थे।
प्रदर्शन में धभाईपाड़ा, सरवनी खुर्द, चिल्लर जैसे गांवों के ग्रामीण शामिल हुए। उनका कहना है कि ग्राम सभा की बिना अनुमति के खदानों के लिए एनओसी जारी कर आदिवासियों को उनकी जमीनों से बेदखल किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सीधे-साधे आदिवासियों को डराया-धमकाया जा रहा है और भू माफिया उनकी जमीनों पर कब्जा कर रहे हैं। जब प्रदर्शनकारी कलेक्ट्रेट में धरने पर बैठ गए, तो अपर कलेक्टर डॉ. शालिनी श्रीवास्तव और एएसपी राकेश खाखा उनसे ज्ञापन लेने पहुंचे। लेकिन सभी प्रदर्शनकारी कलेक्टर मिशा सिंह को मौके पर बुलाने की मांग पर अड़ गए और उन्हें ज्ञापन देने से मना कर दिया। आदिवासी समाज दोपहर 12.30 बजे कलेक्ट्रेट पहुंचे थे। सभी कलेक्टर को ही ज्ञापन देने की मांग पर अड़े रहे। कलेक्टर ने चुनिंदा लोगों को अपने चैंबर में बुलाया। जिला पंचायत उपाध्यक्ष केशुराम निनामा, दिनेश माल पहुंचे। दोनों को बताया कि जो भी समस्या है गांव में आकर समझी जाएगी। उसके बाद वह बाहर आ गए। लेकिन कलेक्टर बाहर नहीं आई। बाद में कलेक्टर ने आदिवासी समाज की 10 महिलाओं को अपने चैंबर में बुलाया। महिला भी कहती रही कि सभी आप से मिलना चाहते है। तब कलेक्टर ने कहा जो भी समस्या है यहां बताओ। कलेक्टर ने कहा कि अभी मुझे आए हुए पांच दिन ही हुए है। ग्रामीण क्षेत्र में आकर आपकी समस्या समझूंगी। साथ ही अन्य अधिकारियों को भी समस्या के समाधान की बात कही। कुछ देर में महिलाएं बाहर आ गई। लेकिन कोई भी जाने के लिए तैयार नहीं था।

इंदौर में केमिकल फैक्ट्री में देर रात आग से रॉ मटेरियल जलकर खाक

दैनिक कारखाने का सफर। इंदौर

इंदौर के सांवेर रोड इंडस्ट्रियल इलाके में सोमवार देर रात कलर बनाने वाली फैक्ट्री में आग लग गई। इस बीच जोरदार धमाकों की आवाजें भी सुनाई दीं। सूचना मिलने पर लक्ष्मीबाई नगर और सांवेर रोड इलाके से दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया गया। अब भी फैक्ट्री के कुछ हिस्सों से धुआं निकल रहा है। फायर ब्रिगेड के अनुसार, रात करीब 3 बजे एमपीडी नामक फैक्ट्री में आग लगने की सूचना मिली थी। यह फैक्ट्री कलर बनाने का काम करती है, जिसमें अलग-अलग तरह के केमिकल्स का उपयोग होता है। इन्हीं केमिकल्स के कारण अंदर रखे ड्रमों में बार-बार धमाकों की आवाजें सुनाई दीं।
शुरुआत में केमिकल की वजह से आग ने भीषण रूप ले लिया था, जिससे दमकल कर्मियों को आग पर काबू पाने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। रात में नगर निगम की ओर से जेसीबी मशीन भी मंगाई गई और आसपास की दीवारों को तोड़कर अंदर पानी डाला गया।
नगर निगम के कुल 9 फायर फाइटर वाहनों के साथ-साथ देपालपुर, बेटमा, महू, पीथमपुर और सांवेर से भी दमकल वाहन बुलाए गए। अब तक 90 पानी के टैंकर आग बुझाने में लगे। मौके पर बचाव कार्य के लिए एसडीआरएफ की टीम भी पहुंची थी। आग बुझाने के लिए पीथमपुर से भी फोम की पांच गाड़ियां भी बुलाई गईं। देर रात पुलिस और जिला प्रशासन के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे।कलर बनाने वाले केमिकल्स के साथ-साथ बड़ी मात्रा में रखा गया कच्चा माल (रॉ मटेरियल) भी आग में जलकर खाक हो गया।

जानलेवा सिरप पर सख्ती: 20 से ज्यादा मेडिकल स्टोर्स की जांच... 2 में नहीं मिले फार्मासिस्ट, ड्रग इंस्पेक्टर ने दवा बिक्री पर लगाई रोक

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

छिंदवाड़ा में किडनी फेल होने से 23 बच्चों की मौत के बाद प्रदेशभर में दवा दुकानों की सख्त जांच शुरू हो गई है। सोमवार को राजधानी में ड्रग इंस्पेक्टर्स की टीम ने कई मेडिकल स्टोर्स पर दबिश दी।
जांच में अनंत मेडिकल स्टोर कोलार और एसएस मेडिकल स्टोर कजलीखेड़ा पर रजिस्टर्ड फार्मासिस्ट नहीं होने के कारण दवाओं की खरीद-फरोख्त पर रोक लगा दी गई है। यह भी हिदायत दी गई है कि दुकानों पर फार्मासिस्ट नहीं होने पर दवाओं की बिक्री न करें। टीम के सदस्यों ने 20 से ज्यादा मेडिकल स्टोर्स की जांच की और वहां रखी दवाओं के स्टॉक और बिक्री रजिस्टर की जांच की। साथ ही बच्चों के लिए बेचे जा रहे कफ सिरप के सैंपल लिए गए हैं। शहर में अलग-अलग कंपनी के कफ सिरप के सैंपल भी जांच के लिए जा रहे हैं। एक ही तरह के सॉल्ट बनाने वाली कंपनियों की जांच हो रही है। सोमवार को भी कई जगह से सैंपल लिए गए।
ड्रग कंट्रोलर दिनेश श्रीवास्तव ने बताया कि भोपाल में 2,000 से ज्यादा मेडिकल स्टोर हैं। इनकी चरणबद्ध जांच की जा रही है। सभी जिलों को आदेश दिया गया है कि दवाओं की गुणवत्ता, स्टोरेज कंडीशन और बिक्री रिकॉर्ड की बारीकी से जांच करें। स्वास्थ्य विभाग के अफसरों ने बताया कि मेडिकल स्टोर्स और कंपनियों के सीएंडएफ गोदामों का स्टॉक भी चेक किया जा रहा है। जहां संदिग्ध कफ सिरप मिले हैं, उन्हें तुरंत बाजार से वापस बुलाया जा रहा है।
अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि फिलहाल विशेष निगरानी बच्चों की दवाओं पर रखी जा रही है। चार साल से कम उम्र के बच्चों को केवल डॉक्टर द्वारा लिखी गई दवा ही दी जाए, इसके निर्देश दुकानदारों को दिए गए हैं। विभाग ने मेडिकल स्टोर्स संचालकों को समझाइश दी है कि बिना पर्चे के किसी बच्चे को दवा न दें।
इधर, राज्य सरकार ने दो और रासायनिक तत्वों को लेकर अलर्ट जारी किया है। औषधि निर्माताओं, ड्रग इंस्पेक्टर्स, सीएमएचओ और मेडिकल कॉलेजों के डीन को भेजी गई एडवाइजरी में कहा गया है कि क्लोरफेनिरामाइन मलेट) और फिनाइलफ्रिन एचसीएल के उपयोग में विशेष सावधानी बरती जाए। ये दोनों तत्व आमतौर पर खांसी-जुकाम की दवाओं में पाए जाते हैं। इनका उपयोग केवल डॉक्टरों की सलाह पर ही करें।

मंत्रालय में रेनोवेशन जारी:एक ही सेक्शन में बैठेंगे अफसर और स्टाफ, आग बुझाने का लगेगा आधुनिक सिस्टम

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

मंत्रालय की पुरानी बिल्डिंग के पांचवें फ्लोर पर रेनोवेशन का काम जारी है। अंदरूनी पार्टीशन, टाइल्स और अलमारियां निकालकर इसे एक हफ्ते में खाली कर लिया जाएगा। छत के दक्षिणी हिस्से में अस्थाई स्टोर रूम बन चुका है, जिसे काम के दौरान निकलने वाले सामान को रखने के लिए उपयोग किया जाएगा। साल 2024 के दौरान पुरानी बिल्डिंग में हुए भीषण अग्निकांड से सीख लेते हुए इस विंग में आग से निपटने के आधुनिक इंतजाम किए जाएंगे। साल 2024 में हुए भीषण अग्निकांड में पुरानी बिल्डिंग के तीसरे, चौथे और पांचवें फ्लोर पर काफी नुकसान हुआ था।
सीएम सचिवालय के कई सेक्शन वाले पांचवें फ्लोर पर सबसे ज्यादा नुकसान हुआ था। रेनोवेशन सबसे पहले यहीं से शुरू हुआ है। यहां जिन हिस्सों में काम होना है, उन्हें अग्निकांड से सुरक्षित रहे कमरों में और दूसरे फ्लोर पर शिफ्ट किया जा रहा है। एक-एक करके बाकी फ्लोर पर काम होगा।
ब्लॉक II और III में हर विभाग के अफसर और उनके स्टाफ-कर्मचारी एक ही सेक्शन में बैठते हैं। विभागीय मंत्री का चैम्बर भी सेक्शन से जुड़ा होता है। दशकों पहले बने वल्लभ भवन I में जीएडी, कृषि, कमर्शियल टैक्स, खाद्य, जेल और आदिवासी कल्याण जैसे विभागों के अफसर अलग-अलग फ्लोर पर बने कमरों में बैठते हैं। अब नए सेक्शन की तर्ज पर पुराने भवन में भी बैठक व्यवस्था होगी। रेनोवेशन के दौरान पुरानी बिल्डिंग में कॉर्पोरेट की तर्ज पर अग्निशमन के इंतजाम होंगे। इनमें आधुनिक विद्युत पैनल, अधिक लोड सहने वाले कॉपर वायर, निगरानी के लिए सीसीटीवी, आधुनिक फायर हाइड्रेंट सिस्टम, फायर स्प्रिंकलर, फायर अलार्म और स्मोक डिटेक्टर लगाए जाएंगे। 2 बिजली वाले और 2 डीजल पंप के अलावा 6 जॉकी पंप भी होंगे। ये पंप स्प्रिंकलर सिस्टम में प्रेशर मेंटेन करते हैं और प्रेशर के मुताबिक अपने आप बंद-चालू हो जाते हैं।

आत्मनिर्भरता की राह:700 एमएसएमई को 197 करोड़ रुपए का प्रोत्साहन, सीएम बोले- युवा रोजगार दे रहे

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को भोपाल में आयोजित सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमियों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि एमएसएमई भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। आप सभी देश का कोष भरते हैं, रोजगार के अवसर देते हैं और आत्मनिर्भर भारत की नींव मजबूत करते हैं। राज्य सरकार का उद्देश्य प्रदेश में उद्यमिता को प्रोत्साहन देकर युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना है। यह वर्ष हम निवेश और रोजगार वर्ष के रूप में मना रहे हैं। अब हमारे युवा रोजगार मांगने वाले नहीं, बल्कि रोजगार देने वाले बन रहे हैं। सीएम ने इस मौके पर 700 एमएसएमई यूनिट को सिंगल क्लिक से 197 करोड़ रुपये से अधिक की प्रोत्साहन सहायता राशि वितरित की।
63 स्टार्टअप को ईआईआर सहायता योजना के तहत सालाना 1.20 लाख प्रति स्टार्टअप की दर से एक करोड़ रुपये से अधिक की सहायता राशि दी और 237 एमएसएमई उद्यमियों को भू-आवंटन पत्र भी प्रदान किए। इसके अलावा, सीएम उद्यम क्रांति योजना के तहत 5084 युवाओं को 347 करोड़ रुपये से अधिक की बैंक ऋण सहायता राशि प्रदान की। सीएम ने कहा कि भारत में 6 करोड़ से अधिक एमएसएमई हैं, जो देश की जीडीपी में लगभग 30 प्रतिशत योगदान देते हुए कुल निर्यात में 45 प्रतिशत हिस्सेदारी रखते हैं।
कार्यक्रम में बताया गया कि प्रदेश में करीब 6000 स्टार्टअप सक्रिय हैं, जिनमें 2800 से अधिक का संचालन महिलाएं कर रही हैं। यह भी जानकारी दी गई कि अब प्रदेश में 83 करोड़ रुपये तक के निवेश पर 50 प्रतिशत तक इंसेंटिव दिया जा रहा है। विदेशी निवेश को बढ़ावा देने के लिए नई नीति बनाई गई है।
वर्ष 2024-25 में सरकार ने 2500 यूनिट्स को 2162 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता दी। सोमवार को 200 करोड़ रुपये की राशि उद्यमियों को दी गई। उद्यम क्रांति योजना के तहत अब तक 613 करोड़ रुपये की सहायता दी गई है। पिछले छह सालों में 820 औद्योगिक इकाइयों को भूमि आवंटन किया जा चुका है। इनमें से 237 उद्यमियों को भूमि पत्र सौंपे गए।

सरल, सहज और आत्मीय है, 'यादों का सिलसिला' : डीजीपी मकवाना

जीवन लौटकर नहीं आता, इसलिए संस्मरण मधुर होते हैं : एन के त्रिपाठी

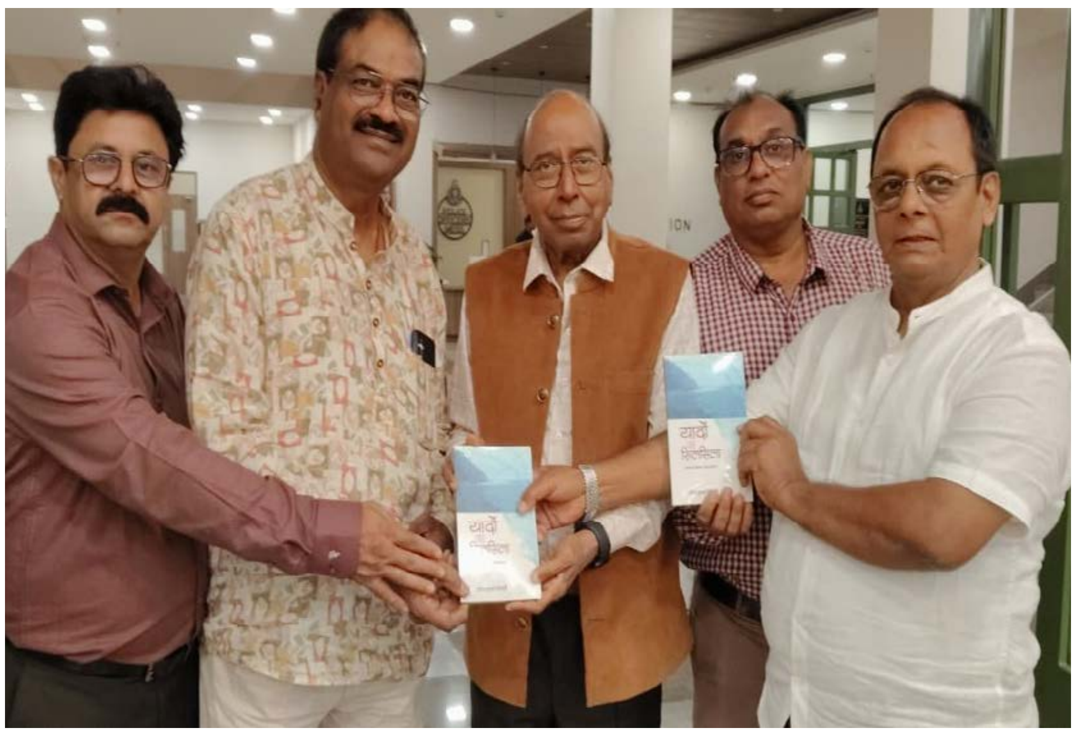

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

गत दिवस ,पुलिस ऑफ़िसर्स मेस में , पूर्व डीजीपी नरेंद्र कुमार (एन के) त्रिपाठी, की पुस्तक 'यादों का सिलसिला' का विमोचन करते हुए पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना ने कहा कि यादों का सिलसिला किताब सरल सहज और आत्मीय है। इसमें कई संस्मरण में संवेदनाएं भी समाहित हैं। न्याय और प्रक्रिया का द्वंद भी देखने को मिलता है। पुलिस अधिकारियों को इसे जरूर पढ़ना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता माखन लाल चतुर्वेदी विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने की एवं विशिष्ट अतिथि श्री मनोज श्रीवास्तव थे। इस अवसर पर अनेक पूर्व एवं वर्तमान पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी तथा गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।
कार्यक्रम में चीफ इलेक्शन कमिश्नर एवं वरिष्ठ चिंतक मनोज श्रीवास्तव ने पुस्तक पर टिप्पणी करते हुए कहा कि यादों का सिलसिला पुस्तक यादों के प्रभाव को कम नहीं करती, इसमें जीवन भर की यादें ऑटो बायोग्राफी के रूप में हैं। इसमें प्रदेश का बदलता परिदृश्य भी समाहित किया गया है। माखनलाल चतुर्वेदी विश्वविद्यालय के कुलगुरु श्री विजय मनोहर तिवारी ने कहा कि यादों का सिलसिला पुस्तक बड़े रोचक विवरण से भरी हुई है। इतनी अच्छी प्रस्तुति करना हर किसी के बस की बात नहीं। त्रिपाठी जी की तरह सभी अधिकारियों को अपने अनुभव को पुस्तक के रूप में संग्रहित करना चाहिए जो आने वाले लोगों को नसीहत बने। मीडियावाला के प्रधान संपादक सुरेश तिवारी ने इस अवसर पर यादों का सिलसिला पुस्तक में समाहित साहित्य के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन रामजी श्रीवास्तव ,आभार प्रदर्शन महेंद्र जोशी एवं स्वागत अजय श्रीवास्तव नीलू ने किया ।

मोहन कैबिनेट की मीटिंग आज, कलेक्टर-कमिश्नर कांफ्रेंस पर भी होगी चर्चा

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

दो हफ्ते बाद आज होने वाली मोहन कैबिनेट की बैठक में सोयाबीन के भावांतर की राशि को मंजूरी दी जाएगी। कृषि विकास और किसान कल्याण विभाग द्वारा इसके लिए प्रस्ताव तैयार कर कैबिनेट को मंजूरी के लिए भेजा गया है। इसके बाद सोयाबीन के भाव में अंतर की राशि किसानों को देने की कार्यवाही की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोयाबीन के दाम में गिरावट के चलते किसानों को भावांतर के रूप में राशि देने का निर्णय लिया है। इसके लिए सीएम यादव ने यहां तक कहा है कि किसानों का किसी भी स्थिति में नुकसान नहीं होने देंगे। 500 से 700 या फिर 1000 रुपए क्विंटल भी किसानों को भावांतर के रूप में देना पड़ा, तो सरकार देगी। इसी तारतम्य में आज कैबिनेट में इसका प्रस्ताव लाया जा रहा है।
मोहन सरकार इस प्रस्ताव को मंजूरी देगी। इसके लिए सोयाबीन के वास्तविक और संभावित दामों का आकलन कृषि विकास विभाग के अफसरों ने करा लिया है और इसके आधार पर ही किसानों को दिए जाने वाले भावांतर की राशि तय की जाएगी। जिन किसानों ने सोयाबीन की फसल बोई है उन्हें नुकसान की भरपाई के लिए दी जाने वाली भावांतर की राशि के लिए सरकार ने 3 से 10 अक्टूबर के बीच पंजीयन कराया है। ऐसे किसानों का पंजीयन हो चुका है और अब कैबिनेट की मंजूरी के बाद जब किसानों द्वारा कृषि उपज मंडी या बाजार में सोयाबीन की बिक्री कर ली जाएगी और उसके दस्तावेज दिखाए जाएंगे, उसके आधार पर सरकार किसान को मिले सोयाबीन के भाव (दाम) में अंतर की राशि का भुगतान करेगी। आज होने वाली बैठक में 7 और 8 अक्टूबर को हुई कलेक्टर और कमिश्नर कांफ्रेंस में तय हुई प्राथमिकताओं की जानकारी मुख्यमंत्री मंत्रिमंडल के साथियों से शेयर करेंगे। इसमें मंत्रियों के दौरे को लेकर भी सीएम निर्देश दे सकते हैं, क्योंकि कांफ्रेंस में अफसरों को गांवों में रात्रि विश्राम और दौरे के निर्देश दिए गए हैं।

वातावरण हुआ राममय— हिंदी लेखिका संघ मध्य प्रदेश द्वारा रामायण प्रसंग पर काव्य गोष्ठी एवं पुस्तक लोकार्पण

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

हिंदी लेखिका संघ मध्य प्रदेश के तत्वावधान में एनआईटीटीटीआर, योग भवन, श्यामला हिल्स में "रामायण प्रसंग पर काव्य गोष्ठी एवं पुस्तक लोकार्पण" का आयोजन किया गया। पूरा वातावरण राममय और भावपूर्ण श्रद्धा से ओतप्रोत रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कथा व्यास एवं ज्योतिषाचार्य डॉ. नीलिम्प त्रिपाठी थे। विशिष्ट अतिथियों के रूप में सरोजिनी नायडू शासकीय महाविद्यालय की हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. कीर्ति शर्मा और साहित्यकार श्री संदीप त्रिवेदी उपस्थित रहे।
हिंदी लेखिका संघ की प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. साधना गंगराड़े ने स्वागत उद्बोधन देते हुए अतिथियों का अभिनंदन किया। इस अवसर पर लेखिका वंदना त्रिपाठी की काव्य-पुस्तक 'भावों की सरिता' का लोकार्पण किया गया। पुस्तक पर समीक्षात्मक वक्तव्य डॉ. वर्षा चौबे ने प्रस्तुत किया। अपने उद्बोधन में डॉ. नीलिम्प त्रिपाठी ने कहा कि "रामायण केवल कथा नहीं, अपितु सम्पूर्ण जगत का जीवन-सार है।" उन्होंने रामायण के विविध प्रसंगों पर रोचक जानकारियाँ साझा कीं। डॉ. कीर्ति शर्मा ने कहा कि "लोकभाषा और लोकगीतों में रामायण भारतीय संस्कृति का केंद्रबिंदु है।"
कार्यक्रम में डॉ. रंजना शर्मा, मनोरमा श्रीवास्तव, नीलिमा रंजन, निमिषा गुप्ता, सीमा अग्रवाल, रेखा भटनागर, विनीत राहुरीकर, करुणा श्रीवास्तव, रेनू श्रीवास्तव, कल्पना विजयवर्गीय और प्रतिभा द्विवेदी ने रामायण प्रसंगों पर आधारित काव्य-पाठ प्रस्तुत किया, जिन्हें उपस्थित साहित्यप्रेमियों ने सराहा। कार्यक्रम का संचालन डॉ. साधना शुक्ला ने किया तथा आभार प्रदर्शन शेफालिका श्रीवास्तव द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना का मनमोहक प्रस्तुतिकरण नीता खरे ने किया। कार्यक्रम का संयोजन सुधा दुबे ने किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में साहित्यकार, कवि एवं साहित्यप्रेमी उपस्थित रहे।

रवि जिंदल जी के पूज्य पिताजी के दुखद निधन के पश्चात आयोजित बारहवें के कार्यक्रम में किए श्रद्धासुमन अर्पित

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

फेडरेशन के प्रदेश पदाधिकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रवि जिंदल जी को सांत्वना देने जयपुर पहुंचे। फेडरेशन ऑफ़ एम पी टेंट एसोसिएशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष रिंकू भटेजा ने बताया कि ऑल इंडिया टेंट डेकोरेटर वेलफेयर एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रवि जिंदल जी के पूज्य पिताजी के दुखद निधन के पश्चात आयोजित बारहवें के कार्यक्रम में फेडरेशन ऑफ एम.पी.टेंट एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष परमजीत सिंह खनूजा , महासचिव (प्रशासनिक)गुड्डा अग्रवाल , वरिष्ठ उपाध्यक्ष रिंकू भटेजा , कोषाध्यक्ष संजय जैन, प्रदेश प्रवक्ता योगेश श्रीवास्तव एवं कार्यकारिणी सदस्य सचिन गुप्ता जयपुर पहुंचे बारहवें के कार्यक्रम में शामिल होकर पूज्य पिताजी को अपने श्रद्धासुमन अर्पित कर शोकाकुल परिवार को संबल प्रदान किया।

ऐतिहासिक उपन्यास `एक और छावा ` का लोकार्पण एवं विमर्श आज

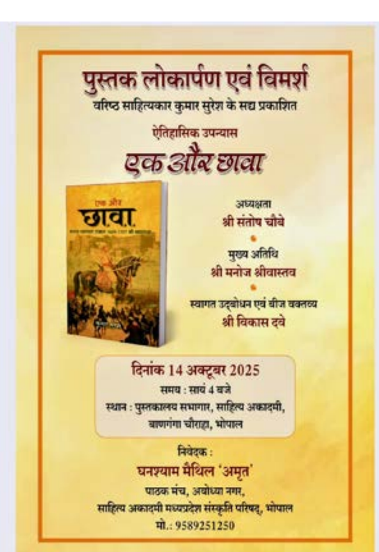

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

सुपरिचित साहित्यकार कुमार सुरेश द्वारा लिखित ऐतिहासिक उपन्यास ' एक और छावा ' का लोकार्पण एवं विमर्श पाठक मंच केंद्र अयोध्या नगर द्वारा आज 14 अक्टूबर,25 मंगलवार को शाम - 4:00 बजे साहित्य अकादमी मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद के पुस्तकालय सभागार में आयोजित है,इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ कवि कथाकार संतोष चौबे कुलाधिपति रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्विद्यालय भोपाल करेंगे तथा मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय प्रशासनिक सेवा के पूर्व वरिष्ठ अधिकारी और साहित्यकार मनोज श्रीवास्तव उपस्थित रहेंगे | कार्यक्रम में स्वागत उद्बोधन में बीज वक्तव्य डॉ.विकास दवे निदेशक साहित्य अकादमी मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद भोपाल का होगा ,कार्यक्रम का संयोजन संचालन पाठक मंच केंद्र संयोजक घनश्याम मैथिल अमृत करेंगे , | पुस्तक चर्चा के इस आयोजन में नगर के पुस्तक प्रेमी पाठकों साहित्यकारों को आमंत्रित किया गया है |

पार्क के सौंदर्यीकरण एवं योग हाल का राज्यमंत्री ने भूमिपूजन किया

जनता के विश्वास पर खरा उतरना ही हमारा संकल्प है : राज्यमंत्री कृष्णा गौर

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौर ने सोमवार को गोविंदपुरा क्षेत्र के साकेत नगर सेक्टर -ए और - बी में 50 लाख रुपए से अधिक की लागत से होने वाले विकास कार्यों का भूमिपूजन किया।
इनमें स्व. बाबूलाल गौर पार्क का 14 लाख रुपए की लागत से सौंदर्यीकरण तथा साकेत नगर 9 - बी में 38 लाख की लागत से योग हॉल का निर्माण प्रमुख है।
राज्यमंत्री गौर ने कहा कि जनता के विश्वास पर खरा उतरना और क्षेत्र के समग्र विकास को नई दिशा देना ही मेरा संकल्प है। गोविंदपुरा क्षेत्र के निरंतर विकास के लिए हर वार्ड में भूमिपूजन हो रहे हैं।
उन्होंने कहा था कि पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय बाबूलाल गौर (बाबूजी) ने जो आदर्श राजधानी का सपना देखा था उसी कड़ी में निरंतर विकास कार्य हो रहे हैं। बड़ी-बड़ी सौगातो के माध्यम से और विकास की दृष्टि से आगे बढ़ने का कार्य कर रहे हैं, क्षेत्र का विकास हमारा कर्तव्य है। विकास कार्यों में तेजी लाने के लिए क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों ने एक अनुकरणीय उदाहरण पेश किया है।
भूमिपूजन कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष मोनिका ठाकुर, पार्षद शशीला पाटीदार, जितेंद्र शुक्ला, प्रताप वारे, किशोर पटेल, कबीर पाठक, रामबाबू पाटीदार सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और स्थानीय रहवासी मौजूद रहे।

समावेशी विकास का उत्तराखंड मॉडल

भारत में विकास के कई मॉडल की चर्चा होती है। सबकी अपनी खूबियां हैं और अपने अपने राज्य के हिसाब से उनका महत्व और उपयोगिता है। आमतौर पर विकास के मॉडल के तौर पर बड़े राज्यों की चर्चा की जाती है, जिनका सकल घरेलू उत्पाद बहुत बड़ा होता है या जहां औद्योगिकरण की संभावनाएं ज्यादा होती हैं। छोटे और पहाड़ी राज्य ऐसी चर्चा से बाहर हो जाते हैं। परंतु पिछले कुछ वर्षों में विकास के एक मॉडल के तौर उत्तराखंड का उदय एक बड़ी परिघटना है। मुश्किल पारिस्थितिकी और निरंतर प्रकृति की मार झेल रहे उत्तराखंड ने समावेशी विकास का एक नया मॉडल विकसित किया है। वहां धर्म और न्याय के साथ विकास का क्रम चल रहा है। वैसे भी उत्तराखंड देवभूमि है, जहां 'कंकड़ कंकड़ शंकर है'। कदम कदम पर तीर्थ हैं और पवित्र भूमि है। शंकराचार्य का स्थापित किया हुआ बद्रीनाथ धाम है तो सबसे जाग्रत महादेव का केदारनाथ मंदिर भी है। पूरे देश के चार धामों में से एक धाम उत्तराखंड में है तो इसका अपना चार धाम भी है। बद्रीनाथ, केदारनाथ के अलावा गंगोत्री और यमुनोत्री भी हैं। आदि शंकराचार्य ने उत्तर से दक्षिण को जोड़ने के लिए रामेश्वरम और बद्रीनाथ धाम की स्थापना की थी। उत्तराखंड से लोग गंगा जल लेकर रामेश्वर जाते हैं तो रामेश्वरम से लोग बद्रीनाथ और केदारनाथ के दर्शन के लिए आते हैं। यह अनोखी विशेषता इस राज्य को एक अलग पहचान देती है। परंतु पिछले कुछ वर्षों में श्री पुष्कर सिंह धामी की सरकार ने उत्तराखंड की प्रगति को नई दिशा और नए आयाम दिए हैं। उन्होंने एक सतत और टिकाऊ विकास का अपना स्वदेशी मॉडल विकसित किया है। इसमें तीर्थाटन की अर्थव्यवस्था को विकसित करना एक आयाम है तो प्राकृतिक संसाधनों के जरिए राज्य के लोगों को आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास एक दूसरा आयाम है। राज्य सरकार ने प्रकृति और पारिस्थितिकी का संरक्षण करते हुए उद्योग धंधे विकसित करने के नए प्रयास भी किए हैं। समावेशी, टिकाऊ और पारिस्थितिकी से संतुलन के साथ विकास की गति बढ़ाने के लिए श्री पुष्कर सिंह धामी की सरकार ने अलग अलग उद्योग समूहों के साथ 3.56 लाख करोड़ रुपए के निवेश के प्रस्तावों के समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जिसमें से एक लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारा जा चुका है। सरकार की ओर से आयोजित उत्तराखंड निवेश उत्सव में मिले प्रस्तावों को तत्परता के साथ धरातल पर उतारा जाता है। सरकार ने आर्थिक प्रबंधन के मामले में अपनी श्रेणी के ज्यादातर राज्यों को पीछे छोड़ दिया है। आधिकारिक आंकडों के मुताबिक आर्थिक प्रबंधन के मामले में छोटे राज्यों की श्रेणी में उत्तराखंड दूसरे स्थान पर है। उससे आगे सिर्फ गोवा है। उत्तराखंड की श्री पुष्कर सिंह धामी सरकार की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि यह है कि राज्य का वार्षिक बजट एक लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का हो गया है। राज्य के आकार और आबादी को देखते हुए यह एक बड़ा मील का पत्थर है। राज्य सरकार ने पारिस्थितिकी के साथ संतुलन बनाते हुए हरिद्वार, पंतनगर, सितारगंज और कोटद्वार में औद्योगिक क्षेत्र विकसित किया है। इसके अलावा काशीपुर में एरोमा पार्क और इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर भी विकसित किया गया है। सरकार खुरपिया फार्म को स्मार्ट औद्योगिक शहर के रूप में विकसित कर रही है। राज्य सरकार ने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की नीतियों के अनुरूप लघु, सूक्ष्म व मझोले उद्यमों यानी एमएसएमई को प्रोत्साहित करने वाली नीतियां लागू की हैं। सरकार 50 नए एमएसएमई क्लस्टर बना रही है और साथ ही स्टार्टअप की नई नीति लेकर आई है। उद्योग धंधों के विकास के साथ साथ सरकार लॉजिस्टिक्स पर भी काम कर रही है ताकि राज्य में आने वाले उद्योग समूहों को किसी किस्म की समस्या का सामना नहीं करना पड़े।माननीय मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने औद्योगिक व आर्थिक विकास के साथ साथ सामाजिक व मानव विकास पर भी समान रूप से ध्यान दिया है। उन्होंने समाज के वंचित व हाशिए पर के समूहों को मुख्यधारा में लाने, महिलाओं को सशक्त बनाने और हर उम्र वर्ग के नागरिकों को उसकी आवश्यकता के अनुरूप सेवाएं उपलब्ध कराने की अनेक योजनाएं शुरू की हैं। उत्तराखंड में सरकार ने पेंशन पाने वाले बुजुर्गों के लिए घर पर ही वेरिफिकेशन की सुविधा दी है। इसी तरह वृद्ध व निःशक्त जनों के लिए भी अनेक योजनाएं शुरू की गई हैं। महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए लखपति दीदी योजना के माध्यम से 1.64 लाख से अधिक मातृशक्ति को सशक्त बनाने का कदम उठाया गया है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने की कड़ी में राज्य सरकार किसानों के साथ महिलाओं को प्रोत्साहित कर रही है। किसानों को तीन लाख और महिला स्वंय सहायता समूहों यानी एसएचजी को पांच लाख रुपए तक ब्याज रहित ऋण दिया जा रहा है। राज्य सरकार ने नव प्रसूता के लिए महालक्ष्मी किट की योजना शुरू की है, जिसके तहत प्रसव के बाद मां और नवजात शिशु को पोषण व स्वच्छता का सामान प्रदान किया जाता है। इस किट में शिशु के लिए सूती टोपी, जुराब, लंगोटी, तौलिया, शिशु साबुन, रबर शीट, कंबल, टीकाकरण कार्ड जैसी चीजें शामिल होती हैं। इसके माध्यम से नव प्रसूता और बच्चे दोनों की स्वच्छता और सुरक्षा सुनिश्चित की जाती है। केंद्र में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की सरकार द्वारा लागू की गई जन कल्याण की समस्त योजनाओं को बेहद प्रभावी तरीके से उत्तराखंड में लागू किया गया है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना से प्रदेश के 60 लाख से अधिक लोग लाभान्वित हुए हैं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत राज्य के नौ लाख से अधिक किसान लाभान्वित हो रहे हैं। इसी तरह प्रधानमंत्री आवास योजना में लगभग 55 हजार गरीबों को आवास उपलब्ध कराने की दिशा में तेज़ी से कार्य हो रहा है। प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना में 18,602 अतिरिक्त आवास स्वीकृत किए गए हैं। आर्थिक, औद्योगिक, सामाजिक व मानव विकास के साथ साथ उत्तराखंड की सरकार सनातन के संरक्षण और भारत के सांस्कृतिक मूल्यों की रक्षा व संवर्धन के लिए भी निरंतर कार्य कर रही है। यह अनायास नहीं है कि समान नागरिक कानून लागू करने वाला सबसे पहला राज्य उत्तराखंड बना। उत्तराखंड की श्री पुष्कर सिंह धामी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट की सेवानिवृत्ति न्यायाधीश जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में एक कमेटी बनाई और उस कमेटी की अनुशंसा के आधार पर समान नागरिक कानून बनाया गया अब उत्तराखंड के बनाए कानून के अनुरूप ही देश के दूसरे राज्यों में समान नागरिक कानून का मसौदा बनाया जा रहा है। उत्तराखंड को ही भारतीय जनता पार्टी के सबसे पुराना वादों में से एक यूनिफॉर्म सिविल कोड यानी यूसीसी लागू करने का सौभाग्य मिला। राज्य की धामी सरकार उत्तराखंड में जनसंख्या संरचना बदलने के प्रत्यक्ष व परोक्ष षड्यंत्रों को रोकने के लिए भी कई कदम उठाए हैं। देवभूमि होने के बावजूद पिछले कई वर्षों से उत्तराखंड में मुस्लिम आबादी तेजी से बढ़ रही थी। पहाड़ों में अनेक प्रकार के जिहाद देखने को मिल रहे हैं।

'वोट खरीद' की विद्रूपता के भरोसे एनडीए!

फिलहाल यही नजर आता है कि बिहार में 6 और 11 नवंबर को होने जा रहे मतदान एक सामान्य चुनाव का हिस्सा होंगे। इसमें कोई ऐसा नया तत्व नहीं है, जो मतदाताओं में नई आशाएं पैदा करे। प्रशांत किशोर नया तत्व जरूर हैं, मगर अरविंद केजरीवाल की यादें अभी इतनी ताजा हैं कि उनका नयापन कोई उम्मीद पैदा नहीं करता। तो कुल मिलाकर सूरत यह बनती है कि चुनावबाज दल, नेता, और मीडियाकर्मी (हर चुनाव की तरह) इस चुनाव को लेकर जितने उत्साहित नजर आते हैं, वैसे उत्साह की कोई वजह आम जन को शायद ही नजर आती होगी! बिहार के सबसे नए राजनीतिक उद्यमी प्रशांत किशोर को इसका श्रेय देना होगा कि उन्होंने विधानसभा चुनाव से ठीक पहले सत्ताधारी एनडीए को "सुशासन" के दावे और "भ्रष्टाचार" के मुद्दे से वंचित कर दिया है। वरना, लालू-राबड़ी के कथित जंगल राज का हौव्वा खड़ा करना हर चुनाव में एनडीए की खास रणनीति रहती थी। ये दीगर बात है कि इस बार "जंगल राज" की याद दिलाने की सबसे ज्यादा कोशिश प्रशांत किशोर कर रहे हैं! किशोर ने एनडीए नेताओं सम्राट चौधरी, अशोक चौधरी, दिलीप जायसवाल आदि पर गंभीर इल्जामों की झड़ी लगा रखी है। इससे ना सिर्फ एनडीए को कठघरे में खड़ा दिखा है, बल्कि इस कारण सत्ताधारी गठबंधन की अंदरूनी दरारें भी सामने आई हैं। परिणाम यह हुआ है कि भाजपा- जनता दल (यू)- एलजेपी- हिंदुस्तानी आवाम पार्टी का गठबंधन अब पूरी तरह 'वोट खरीद' और सांप्रदायिक ध्रुवीकरण पर निर्भर हो गया है। सांप्रदायिक ध्रुवीकरण भाजपा की चुनावी रणनीति में मौजूद स्थायी तत्व है। पार्टी नेता कभी इसे पृष्ठभूमि में रखते हैं, तो कभी जरूरत के हिसाब से उसे उग्र रूप देते हैं। कई राज्यों में सिर्फ यही तत्व भाजपा को चुनाव जिताने में कारगर रहता आया है। मगर बिहार में अभी तक इसके निर्णायक होने का भरोसा शायद भाजपा नेतृत्व को नहीं है। इसीलिए नीतीश कुमार के मुखौटे की जरूरत उसे अभी भी है। नीतीश ढलान के दौर में हैं। बार-बार पाला बदलने से उनकी पुरानी छवि नष्ट हो चुकी है। "सुशासन" का नकाब उतर चुका है। उनकी सेहत को लेकर तमाम तरह की चर्चाएं हैं। फिर भी भाजपा उन्हें मुखौटा बनाए रखने पर मजबूर है, तो उसकी वजह अपनी ताकत पर पार्टी नेताओं का अविश्वास ही है। नीतीश कुमार ने जो गंवाया है, उसकी चुनावी भरपाई उन्होंने मुक्त हाथ से सरकारी पैसा बांट कर करने की कोशिश की है। लगभग डेढ़ करोड़ परिवारों में महिलाओं के खाते में दस हजार रुपये का ट्रांसफर, लाखों युवाओं को दो साल तक हर महीने एक हजार रुपये का बेरोजगारी भत्ता, वृद्धावस्था एवं विकलांग पेंशन में भारी बढ़ोतरी, होमगार्ड्स के भत्तों में इजाफा, राज्य सरकार के कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ते की नई किस्त आदि जैसी कई घोषणाएं हैं, जिन्हें सीधे तौर पर 'वोट खरीद' योजना की श्रेणी में रखा जा सकता है। भारत में अब इस योजना का आम चलन हैं। मगर नीतीश सरकार इसे एक नई ऊंचाई और नई विद्रुपता तक ले गई है चुनावों के संदर्भ में ऐसी योजनाएं कारगर रहती आई हैं। वैसे तो इनका चलन पहले भी था, लेकिन केंद्रीय सत्ता में आने के बाद नरेंद्र मोदी सरकार इसे जो नीतिगत रूप दिया, वह अभूतपूर्व है। मोदी सरकार के पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार अरविंद सुब्रह्मण्यम ने इसे 'कल्याण संबंधी नई सोच' कहा है। मतलब यह कि समाज एवं अर्थव्यवस्था के निर्माण की दीर्घकालीन योजनाओं में निवेश के बजाय पैसा सीधे लोगों के हाथ में दिया जाए। इससे लोगों को महसूस होता है कि सरकार/ सत्ताधारी नेता ने उनके लिए कुछ किया है। दीर्घकालीन योजनाओं का लाभ सीधे किसी को महसूस नहीं होता- इसलिए चुनावी लिहाज से वे ज्यादा फायदेमंद नहीं होतीं! भाजपा का आकलन है कि 2024 में लोकसभा चुनाव में हार के बाद महाराष्ट्र में विधानसभा का चुनाव उसने ऐसी ही योजनाओं- खासकर लाड़ली बहन योजना- के जरिए पलट दिया। अब वही पैटर्न बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए ने अपनाया है। शुरुआती रिपोर्टों के मुताबिक इस दांव का अच्छा असर हुआ है। क्या यह निर्णायक होगा, यह जानने के लिए हमें 14

नवंबर का इंतजार करना होगा, जिस रोज वोटों की गिनती होगी। चुनाव नतीजों को तय करने में संभवतः एक फैक्टर प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी का भी होगा। किशोर ने अपना यह उद्यम लॉन्च करने के बाद से कुछ ऐसी ध्वनियां पैदा की हैं, जिनकी झंकार दूर तक गई है। हालांकि किशोर अपनी पार्टी की अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी से तुलना पसंद नहीं करते, मगर उनकी ध्वनियां और कार्यसूची काफी कुछ केजरीवाल से मेल खाती हैं। मीडिया इंटरव्यूज में किशोर ने कहा है कि आंदोलन और क्रांति में उनका भरोसा नहीं है, इसलिए अन्ना आंदोलन की कोख से निकली आम आदमी पार्टी से जन सुराज की तुलना नहीं की जानी चाहिए। मगर दो बातें इन प्रयोगों को एक जगह खड़ी करती हैः आम आदमी पार्टी के आरंभिक दिनों में योगेंद्र यादव जैसे इसके सिद्धांतकार यह खुलेआम कहते थे कि इस नई पार्टी की कोई विचारधारा नहीं है- यह समाधान उन्मुख पार्टी है। पार्टी विचारधारा में बिना बंधे लोगों की समस्याओं का समाधान निकालना चाहती है। दिल्ली में दस वर्ष के शासनकाल में आम आदमी पार्टी ने बिजली, पानी शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था के क्षेत्र में लोक-लुभावन पहल को अपनी खास पहचान बनाने की कोशिश की। जन सुराज ने अपना मुख्य एजेंडा बिहार में स्कूली शिक्षा व्यवस्था को दुरुस्त करना और पलायन रोकना बताया है। पार्टी का दावा है कि यही बिहार की मुख्य समस्याएं हैं, जिसका समाधान वह पेश करेगी। जन सुराज भी किसी खास विचारधारा की बात नहीं करती। इस रूप में संभवतः वह भी खुद को समाधान उन्मुख पार्टी ही मानती है। जन सुराज के बैनरों पर महात्मा गांधी और भीम राव अंबेडकर की तस्वीरें नजर आती हैं। पंजाब में कामयाब होने से पहले तक आम आदमी पार्टी ने भी इन्हीं दो तस्वीरों का सहारा लिया था। पंजाब में उसने गांधीजी की जगह भगत सिंह की तस्वीर को दे दी। एक अन्य समानता केजरीवाल और प्रशांत किशोर की अपनी पृष्ठभूमियां हैं। दोनों सुविधा-संपन्न और पेशेवर समूह से आए हैं और दोनों के डिस्कोर्स मध्य वर्गीय रंग लिए रहे हैं। अन्ना आंदोलन के जरिए केजरीवाल ने दिल्ली में अपनी सियासी जमीन तैयार की थी। प्रशांत किशोर ने बिहार में दो साल की पदयात्राओं के जरिए अपनी जमीन बनाने की कोशिश की है। केजरीवाल ने पुराने राजनीतिक दलों को एक जैसा (सब आपस में मिले हुए हैं) बता कर खुद पर दांव लगाने के लिए मतदाताओं को उत्प्रेरित किया था। इसमें वे सफल रहे। प्रशांत किशोर का भी सारा दांव इस आकलन पर है कि बिहार में मतदाताओं का एक बड़ा हिस्सा लालू और नीतीश में से एक को चुनने की मजबूरी से तंग आ चुका है। अतः नया विकल्प सामने होगा, तो वे मतदाता उस पर दांव लगाएंगे। क्या ऐसा होगा? इस विधानसभा चुनाव के संपन्न होने तक यह सवाल महत्त्वपूर्ण बना रहेगा। फिलहाल यह अनुमान लगाया जा सकता है कि जन सुराज पार्टी की उपस्थिति दर्ज होगी। किस हद तक- यह कहना अभी कठिन है। जन सुराज का दांव एनडीए और महागठबंधन- दोनों से वोट छीनने पर टिका है। इस सिलसिले में उसकी ध्वनियों का प्रभाव देखा गया है। मगर मतदान का निर्णय अंततः कई अन्य पहलुओं से तय होता है। सांप्रदायिक ध्रुवीकरण से प्रभावित मतदाताओं का भाजपा के साये में खुद को 'सुरक्षित' महसूस करना इस वक्त ऐसा एक पहलू है। 'संविधान और सामाजिक सद्भाव बचाने' के लिए भाजपा को किसी कीमत पर हराना एक दूसरा पहलू है। बिहार में गुजरे तीन दशकों से लालू समर्थन और विरोध भी ऐसे पहलू रहे हैं। ऐसे सामाजिक वर्गों के मतदाता बड़ी संख्या में मौजूद हैं, जो लालू राज के दौरान हुए अपने 'सशक्तीकरण' को याद रखे हुए हैं। क्या प्रशांत किशोर की ध्वनियां इन तमाम पहलुओं को मात दे पाएंगी? या उन ध्वनियों का असर सीमित रहेगा, नतीजतन जन सुराज वोट कटवा अधिक भूमिका नहीं निभा पाएगी? वह सबसे ज्यादा किसके वोट काटेगी? क्या बिहार में बदलाव चाहने वाले मतदाताओं के एक हिस्से को आकर्षित कर यह सत्ताधारी गठबंधन की मददगार बनेगी? अथवा, नीतीश कुमार से ऊबे ऐसे मतदाताओं को यह अपनी ओर खीचेंगी, जो लालू यादव से नाराजगी के कारण महा-गठबंधन को वोट नहीं देते और इस रूप में यह महा-गठबंधन की सहायता करेगी? ये सब ऐसे सवाल हैं, जिन पर बिहार चुनाव के पूरे दौर में चर्चा जारी रहने वाली है। फिलहाल, जो नजर आता है, वो यह है कि सत्ताधारी गठबंधन की संभावनाएं सांप्रदायिक ध्रुवीकरण और 'वोट खरीदो' योजना की सफलता पर टिकी हुई हैं। सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के अंदर विभिन्न जातियों को प्रतिनिधित्व देकर भाजपा ने जो 'सोशल इंजीनियरिंग' देश के ज्यादातर हिस्सों में की है, बिहार उससे अलग नहीं है। एनडीए में नीतीश कुमार को मिली अहमियत खुद उसी 'सोशल इंजीनियरिंग' का हिस्सा है। फिलहाल, इस रणनीति के कमजोर पड़ने के संकेत नहीं हैं। इसीलिए 'सुशासन' जैसे दावों के बेनकाब होने, भ्रष्टाचार का मुद्दा हाथ से निकलने और विकास के मोर्चे पर तमाम नाकामियों के बावजूद इस चुनाव में एनडीए की pole position (दौड़ में अग्रिम स्थान) कायम नजर आती है। दूसरी तरफ महा-गठबंधन अपने सीमित सामाजिक समीकरण के साथ एंटी-इन्कबैंसी के भरोसे ही है। महा-गठबंधन के प्रमुख दल- आरजेडी का अपना सामाजिक आधार मजबूत बना रहा है। सिर्फ इस समीकरण की ताकत के आधार पर उसे लगभग एक चौथाई वोट मिल जाते रहे हैं। इसके साथ एंटी-इन्कबैंसी का पहलू जुड़े, तो आरजेडी अपने साथी दलों- कांग्रेस, लेफ्ट, विकासशील इनसान पार्टी, झारखंड मुक्ति मोर्चा आदि के साथ सत्ता के करीब पहुंच सकता है। मगर एक तरफ रुपयों की बारिश कर नीतीश कुमार सरकार ने और दूसरी तरफ इंटी-इन्कबैंसी वाले वोट का एक और दावेदार बन कर जन सुराज ने महा-गठबंधन की संभावनाओं के बारे में अस्पष्टता पैदा कर दी है। महा-गठबंधन के सामने सबसे बड़ी मुश्किल यह है कि उसके नेतृत्व ने जिस प्रमुख मुद्दे के सहारे मतदाताओं को लुभाने की योजना बनाई, चुनाव आने से पहले ही सत्ता पक्ष ने उससे उन्हें वंचित कर दिया। राहुल गांधी और तेजस्वी यादव ने जातीय जनगणना की मांग के इर्द-गिर्द बिहार में चुनाव लड़ने की मंशा दिखाई थी। मगर केंद्र सरकार ने अगली जनगणना में जातीय गिनती को शामिल कर इसे मुद्दे की धार भोथरी कर दी। उसके बाद राहुल गांधी ने 'वोट चोरी' को अपने अभियान का केंद्रीय बिंदु बनाया। विपक्ष के कार्यकर्ताओं और समर्थकों को लामबंद करने में यह मुद्दा कामयाब रहा है, लेकिन आम जन के स्तर पर इसका असर है, इसके शायद ही कोई संकेत हैं। इसकी एक बड़ी वजह मीडिया नैरेटिव पर सत्ता पक्ष का नियंत्रण है, मगर इसका एक कारण यह भी है कि ऐसे मुद्दे रोजी-रोटी के रोजमर्रा के सवालों में उलझे जन समुदायों के मन को अक्सर छू नहीं पाते। इसलिए ऐसे मसले मध्य वर्ग के बीच और सोशल मीडिया पर जो ध्वनि निर्मित करते हैं, वह जमीनी स्तरों तक नहीं पहुंच पाती है।

बिना विपक्ष के जेपीसी बना सकती है सरकार!

गिरफ्तारी और 30 दिन की हिरासत पर मंत्रियों, मुख्यमंत्रियों और प्रधानमंत्री को पद से हटाने के लिए लाए संविधान संशोधन विधेयक पर संयुक्त संसदीय समिति यानी जेपीसी बनाने का काम अटका हुआ है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने संविधान का 130 संशोधन विधेयक संसद के मानसून सत्र के दौरान पेश किया था। उसी दिन उन्होंने विधेयक को जेपीसी में भेजने का प्रस्ताव भी रखा, जिसे लोकसभा ने मंजूरी दे दी। लेकिन दो महीने बीत जाने के बाद भी जेपीसी का गठन नहीं हो सका है। स्पीकर ओम बिरला ने सभी पार्टियों को चिट्ठी लिख कर जेपीसी के लिए नाम भेजने को कहा था। लेकिन किसी पार्टी ने नाम नहीं भेजा। उधर सभी विपक्षी पार्टियों ने इस जेपीसी का बहिष्कार करने का ऐलान कर दिया है। पहले ऐसा लग रहा था कि कांग्रेस दूसरी सहयोगी पार्टियों को मनाने की कोशिश कर रही है लेकिन अपने सहयोगी दलों के दबाव में कांग्रेस भी पीछे हट गई। कांग्रेस के इनकार के बाद बची खुची पार्टियों जैसे डीएमके, राजद, जेएमएम आदि का भी स्टैंड स्पष्ट हो गया। कांग्रेस के

इनकार के बाद से ही सरकार इस विकल्प पर विचार कर रही थी कि विपक्ष के बिना भी जेपीसी बनाई जा सकती है या नहीं। अब जानकार सूत्रों का कहना है कि सरकार बिना विपक्ष के जीपीसी का गठन करने पर विचार कर रही है। बताया जा रहा है कि सरकार इस विधेयक को छोड़ने वाली नहीं है। उसे यह कानून बनाना है कि गिरफ्तारी के बाद कोई मंत्री, मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री जेल से सरकार नहीं चला सके, जैसे अरविंद केजरीवाल ने किया था। उसे इस्तीफा देना होगा या 30 दिन तक जेल में रहने के बाद उसे नए कानून के जरिए हटाया जा सकेगा। सरकार यह काम आम सहमति के जरिए ही करना चाहती है। इसलिए वह जेपीसी बनाना चाहती है। अगर विपक्षी पार्टियां नहीं होंगी तब भी जेपीसी का गठन किया जा सकता है। जानकार सूत्रों का कहना है कि सरकार भाजपा और एनडीए की सहयोगी पार्टियों के अलावा अन्य पार्टियां जो विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' में शामिल नहीं हैं उनके सदस्यों को लेकर जेपीसी के गठन की पहल कर सकती है। बताया जा रहा है कि ऐसी कई पार्टियों के साथ सरकार के प्रबंधकों की बात हो रही है। सहमति बनने के बाद सभी पार्टियां अपने सदस्यों के नाम स्पीकर को भेजेंगी और स्पीकर जेपीसी का गठन कर देंगे। भाजपा के साथ कई बड़ी पार्टियां पहले से हैं जैसे जनता दल यू, टीडीपी, अन्ना डीएमके, शिव सेना, एनसीपी, लोजपा, जनसेना, जेडीएस आदि। इनके सदस्यों के अलावा जेपीसी में बीजू जनता दल, वाईएसआर कांग्रेस और भारत राष्ट्र समिति के सदस्यों को शामिल किया जा सकता है। ये पार्टियां विपक्षी गठबंधन का हिस्सा नहीं हैं। जम्मू कश्मीर में सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस से भी भाजपा के नेताओं की बातचीत हो रही है। वह विपक्षी गठबंधन का हिस्सा है और कांग्रेस ने उमर अब्दुल्ला सरकार को समर्थन दिया है लेकिन नेशनल कॉन्फ्रेंस स्वतंत्र राजनीति कर रही है। अगर बिना विपक्ष के जेपीसी बनती है तो यह भी भारत के संसदीय इतिहास में अनोखी बात होगी। अगर दोनों गठबंधनों से अलग रहने वाली तीन बड़ी पार्टियों बीजद, बीआरएस और वाईएसआर कांग्रेस राजी नहीं होते हैं तभी सरकार बिना विपक्ष के जेपीसी बनाने का आइडिया छोड़ेगी और बिना जेपीसी के ही इस बिल को संसद में पेश करके पास कराने का प्रयास करेगी।

चिदंबरम के कहें का क्या है अर्थ!

दशकों तक स्वतंत्र भारत की विदेश नीति विदेशी विचारधारा से बंधी रही है। इसी वजह से भारत को बार-बार उन मुल्कों के आगे भी झुकना पड़ा, जो लंबे समय तक भारतीय हितों के खिलाफ खड़े थे। सालों तक भारत ने फिलिस्तीन और इस्लामी देशों का समर्थन किया, जबकि वह कश्मीर के मसले पर मजहब के नाम पर पाकिस्तान का साथ देते रहे। पिछले 11 वर्षों से भारतीय नेतृत्व इस पराजित मानसिकता से मुक्त है। पूर्व केंद्रीय मंत्री पी।चिदंबरम के हालिया खुलासे का निहितार्थ क्या है? 17 साल पहले जब वर्ष 2008 में मुंबई पर पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित भीषण 26/11 आतंकवादी हमला हुआ, जो चार दिनों तक चला, जिसमें सीमापार से आए दस जिहादियों ने 166 मासूमों को मौत के घाट उतारा और देश का एक बड़ा वर्ग प्रतिशोध की ज्वाला में धधकता रहा— तब तत्कालीन कांग्रेस नीत तत्कालीन संप्रग सरकार (2004-14) विदेशी दबाव— विशेषकर अमेरिकी नेतृत्व के कहने पर पाकिस्तान के खिलाफ प्रतिकार स्वरूप कोई भी सैन्य कार्रवाई करने से पीछे हट गई। बकौल चिदंबरम, "उस वक्त मेरे मन में आया कि बदला लेना चाहिए।।। मैंने प्रधानमंत्री और बाकी अहम लोगों से इस मामले पर चर्चा की थी, लेकिन निष्कर्ष काफी हद तक विदेश मंत्रालाय और विदेश सचिवों से प्रभावित था कि हमें स्थिति पर सीधे प्रतिक्रिया नहीं देनी चाहिए, इसकी जगह कूटनीतिक तरीका अपनाना चाहिए।" उन्होंने आगे स्वीकार किया, "उस समय अमेरिकी विदेश मंत्री कोंडोलीजा राइस, मेरे पद संभालने के दो-तीन दिन बाद मुझसे और प्रधानमंत्री से मिलने आई थीं।।। उन्होंने कहा था कि प्रतिक्रिया नहीं दें।" मुझे पी।चिदंबरम के बयान पर कोई हैरानी नहीं। दरअसल, यह मानसिकता न ही देश में नई है और न ही चिदंबरम का यह मानस 2008 के आतंकी हमले तक सीमित है। बात ज्यादा पुरानी नहीं है। अमेरिकी-यूरोपीय प्रतिबंधों के दबाव में 1995 में तत्कालीन प्रधानमंत्री नरसिंह राव ने पोखरण परमाणु परीक्षण रोक दिया था। लेकिन 1998 में अटल बिहारी वाजपेयीजी ने दोबारा सत्ता में आते ही इन पश्चिमी धमकियों को नजरअंदाज करके पोखरण में परीक्षण किया और भारत को परमाणु शक्ति के रूप में स्थापित भी कर दिया। आज जो चिदंबरम 26/11 के समय अमेरिकी दबाव में पाकिस्तान पर कार्रवाई नहीं करने

की बात स्वीकार रहे है, उन्हीं चिदंबरम ने 27 मई 1998 को लोकसभा में चर्चा करते हुए पोखरण परमाणु परीक्षण को "सत्ता-लोलुप एजेंडा" और "नैतिक अधिकारों के खिलाफ" बताते हुए कहा था— "।।।हम परमाणु हथियार बनाने के खिलाफ हैं, हम परमाणु बमों का भंडार तैयार करने के खिलाफ हैं, हम इन हथियारों को सेना में शामिल करने के खिलाफ हैं, और हम भारत को हथियारों की दौड़ में झोंकने के भी खिलाफ हैं। आपने जो किया है, उससे हमारे दोनों बड़े पड़ोसी अब दुश्मन बन गए हैं।" क्या 1998 और 2025 में प्रकट चिदंबरम के मानस में कोई अंतर दिखता है? क्या बकौल चिदंबर 1998 से पहले भारत के पाकिस्तान और चीन से संबंध मधुर थे? वर्ष 1962 में भारत को वामपंथ शासित चीन के हाथों शर्मनाक शिकस्त झेलनी पड़ी थी, जिसमें देश ने अपनी हजारों वर्ग किलोमीटर जमीन भी खो दी। यह सब नेहरूजी की आत्ममुग्धता में चीन की कुटिल साम्राज्यवादी नियत को न समझ पाने का नतीजा था। पंचशील समझौता, सुरक्षा परिषद की सदस्यता चीन को देना और 'हिंदी-चीनी भाई-भाई' जैसे नारे अंत में भारत के लिए बेहद नुकसानदेह साबित हुए। ऊपर से अमेरिका के सामने पं।नेहरू द्वारा बार-बार मिन्नतें करने से देश की संप्रभुता और आत्मसम्मान को भी ठेस पहुंची। अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए के पूर्व अधिकारी ब्रूस रीडेल ने अपनी किताब "जेएफके फॉरगॉटन क्राइसिसः तिब्बत, द सीआईए एंड द सीनो-इंडियन वॉर" में पं।नेहरू द्वारा अमेरिकी राष्ट्रपति जॉन एफ। कैनेडी को लिखे गुप्त खतों के कुछ हिस्से उजागर किए हैं। इन पत्राचारों में नेहरूजी ने लिखा था— "हमें 12 स्क्वाड्रन सुपरसोनिक लड़ाकू विमानों की सख्त जरूरत है।।। हमारे पास आधुनिक राडार व्यवस्था नहीं है, इसलिए जब तक हमारे सैनिक तैयार नहीं हो जाते, तब तक इन विमानों और राडारों का संचालन अमेरिकी वायुसेना को करना होगा।" साफ है कि तब नेहरूजी ने अमेरिका के सामने भारत का स्वाभिमान गिरवी रख दिया था। इसी तरह वर्ष 1965 के युद्ध में जब भारतीय सेना लाहौर में पहुंच गई थी, तब अगले साल ताशकंद जाकर जो कुछ हमने जीता था, उसे सोवियत संघ (रूस) की मध्यस्थता में लौटा दिया गया। इस फैसले का रणनीतिक औचित्य आज तक साफ नहीं है। क्या इससे पाकिस्तान ने अपना रवैया बदला? नहीं। उल्टा, ताशकंद समझौते के दौरान प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्रीजी की रहस्यमयी मौत ने उस समझौते को और भी संदिग्ध बना दिया। इससे पहले, 1960 में नेहरूजी ने पाकिस्तान के साथ 'सिंधु जल समझौता' भी किया था, जो हमारे राष्ट्रीय हितों के खिलाफ था। निसंदेह, वर्ष 1971 के युद्ध में भारत ने ऐतिहासिक फतह हासिल की और पाकिस्तान के दो टुकड़े कर दिए। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व में भारतीय सेना ने पाकिस्तान को घुटनों पर लाकर उसके 93,000 फौजियों को आत्मसमर्पण करने के लिए मजबूर कर दिया था। परंतु शिमला संधि के तहत इंदिरा सरकार ने पाकिस्तान द्वारा कब्जाए कश्मीर के एक हिस्से (पीओके) पर कोई अंतिम निर्णय लिए बिना पाकिस्तानी युद्धबंदियों को रिहा कर दिया। युद्ध के दौरान इंदिराजी ने तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन को खत लिखकर पाकिस्तान की जंगबाज़ी रोकने की गुजारिश भी की थी। यह अक्टूबर का माह है। 1947 में इसी महीने की 22 तारीख को अर्थात् स्वतंत्रता के लगभग दो माह पश्चात पाकिस्तान ने कबाइलियों के साथ मिलकर कश्मीर पर हमला कर दिया था। तब जम्मू-कश्मीर रियासत का अधिकांश मुस्लिम सैन्यबल इस्लाम के नाम पर शत्रुओं से जा मिला था। भारत में विलय की औपचारिकता पूरी होने के बाद जब भारतीय सेना ने मोर्चा संभाला और वह कश्मीर को अपने नियंत्रण में लेने लगी, तब पूरे कश्मीर को पाकिस्तानियों से मुक्त कराए बिना पं।नेहरू ने युद्धविराम और जनमत संग्रह की घोषणा कर दी। यदि यह तीन हिमालयी भूलें (गद्दारी सहित) नहीं हुई होती, तो आज कश्मीर की स्थिति कुछ और होती। वास्तव में, दशकों तक स्वतंत्र भारत की विदेश नीति विदेशी विचारधारा से बंधी रही है। इसी वजह से भारत को बार-बार उन मुल्कों के आगे भी झुकना पड़ा, जो लंबे समय तक भारतीय हितों के खिलाफ खड़े थे। सालों तक भारत ने फिलिस्तीन और इस्लामी देशों का समर्थन किया, जबकि वह कश्मीर के मसले पर मजहब के नाम पर पाकिस्तान का साथ देते रहे। पिछले 11 वर्षों से भारतीय नेतृत्व इस पराजित मानसिकता से मुक्त है। सतत आर्थिक तरक्की के बीच भारतीय सेना अब किसी भी दुस्साहस का मुंहतोड़ उत्तर देने को स्वतंत्र है। सर्जिकल स्ट्राइक, सिंधु समझौते का स्थगन और 'ऑपरेशन सिंदूर'— इसका प्रत्यक्ष प्रमाण हैं।

–बलबीर पुंज

दो ईसाई देशों के जंगलों में हनुमान जी का राज....नागदेवता मंदिर और पाताललोक मिला, क्या है इस दावे का सच

एजेंसी नई दिल्ली

भारत से हजारों किलोमीटर दूर मध्य अमेरिकी देश ग्वाटेमाला और होंडुरास में हनुमान जी का राज चलता था। विशाल जंगलों के बीच नागदेवता रहा करते थे। वहीं, पुराणों में वर्णित पाताललोक इन्हीं जंगलों के बीच ही हैं। सोशल मीडिया पर लोग बढ़-चढ़कर इस दावे के बारे में बता रहे हैं। यहां तक कह रहे हैं कि इन देशों में हिंदू मंदिर थे और हिंदू धर्म खूब फल-फूल रहा था। अब ये दावे क्या हैं और इन दावों की हकीकत क्या है यह जानते हैं। सोशल मीडिया एक्स पर जितेंद्र प्रताप सिंह नाम के एक यूजर ने एक वीडियो डाली और पोस्ट में लिखा-1962 में ग्वाटेमाला और होंडुरास में फैले विशाल जंगलों के ऊपर से एक हेलीकॉप्टर उड़ रहा था, उसने इन जंगलों के बीच में मंदिरों की एक पूरी श्रृंखला देखी। उसके बाद इस पर रिसर्च किया गया तब पता चला कि है हिंदू मंदिर हैं और हिंदू कल्चर में जो नाग देवता या पाताल लोक का वर्णन है वह यही है। और यहां से कुछ ही दूरी पर होंडुरास में एक विशाल गुफा और हनुमान जी की कई प्रतिमाएं और एक पूरे नगर के प्रमाण मिले हैं और वहां तमाम हिंदू मंदिर मिले हैं जो यह बताते हैं कि भगवान राम के सत्ता में हटने के बाद हनुमान जी पाताल लोक चले गए थे। तो असल में हनुमान जी होंडुरास चले गए थे और वहां उनका पूरा एकछत्र राज था। एक और यूजर ने इस वीडियो पर जवाब देते हुए कहा-वाकई अद्भुत! ऐसी कहानियां यह दिखाती हैं कि भारत की प्राचीन संस्कृति और सनातन विचारधारा का प्रभाव कितनी दूर-दूर तक फैला हुआ था। ग्वाटेमाला और होंडुरास में मिले मंदिर जैसे अवशेष, नाग देवता के प्रतीक और हनुमान जी से मिलते-जुलते चिह्न यह संकेत देते हैं कि भारतीय संस्कृति का वैश्विक प्रभाव कितना गहरा रहा है। संभव है कि व्यापार, प्रवास या सांस्कृतिक आदान-प्रदान के माध्यम से यह परंपरा वहां तक पहुंची हो।

एक बात तो तय है कि भारत की सभ्यता केवल सीमाओं में बंधी नहीं, बल्कि यह विश्व के हर कोने में अपनी छाप छोड़ चुकी है। वहीं, कुछ यूजर्स इसे मध्य अमेरिकी जंगलों में फैली प्राचीन माया सभ्यता का बता रहे हैं। जब Grok से इस बारे में पूछा गया तो उसने बताया कि यह दावा माया सभ्यता के कोपान और ला सियुदाद ब्लांका जैसे स्थलों को हिंदू मंदिरों और हनुमान जी से जोड़ता है, लेकिन मुख्यधारा की पुरातत्व विद्या इन्हें मध्य अमेरिकी स्वदेशी संस्कृतियों का मानती है। 'मंकी गॉड' मूर्तियां माया पौराणिक कथाओं से हैं, हिंदू से नहीं। 1962 में हेलीकॉप्टर खोज का कोई मुख्य प्रमाण नहीं; यह फ्रिंज थ्योरी लगती है। विविध स्रोतों से कोई पुष्टि नहीं है। माया सभ्यता एक मेसो-अमेरिकन सभ्यता थी जो प्राचीन काल से लेकर शुरुआती आधुनिक काल तक अस्तित्व में रही। यह अपने प्राचीन मंदिरों और ग्लिफ (लिपि) के लिए जानी जाती है। माया लिपि पूर्व-कोलंबियाई अमेरिका की सबसे परिष्कृत और अत्यधिक विकसित लेखन प्रणाली है। यह सभ्यता अपनी कला, वास्तुकला, गणित, कैलेंडर और खगोलीय प्रणाली के लिए भी प्रसिद्ध है। माया सभ्यता माया क्षेत्र में विकसित हुई, जो आज दक्षिण-पूर्वी मेक्सिको, संपूर्ण ग्वाटेमाला और बेलीज और होंडुरास और अल सल्वाडोर के पश्चिमी भाग में है। इसमें युकाटन प्रायद्वीप के उत्तरी निचले इलाके और सिएरा माद्रे के ग्वाटेमाला हाइलैंड्स, मैक्सिकन राज्य चियापास, दक्षिणी ग्वाटेमाला, अल सल्वाडोर और प्रशांत तटीय मैदान के दक्षिणी निचले इलाके शामिल हैं। आज उनके वंशज, जिन्हें सामूहिक रूप से माया के रूप में जाना जाता है की संख्या 60 लाख से अधिक है, वे 28 से अधिक जीवित माया भाषाएं बोलते हैं। ग्रोक और दूसरे माध्यमों से जांच करने पर पता चला कि सोशल मीडिया पर जो भी दावे किए जा रहे हैं, वो आधारहीन हैं। जो दावा है, दरअसल वो माया सभ्यता के पुरावशेष हैं, जो कि भारतीय मंदिरों से मिलते-जुलते हैं। ऐसे कोई प्रमाण नहीं मिले हैं कि यहां किसी भारतीय राजा या भारतीय संस्कृति पहुंची है। हनुमान जी जैसी आकृति वाली मूर्तियां भी माया संभ्यता से ही जुड़ी हुई हैं। ऐसे में दावे में कोई सच्चाई नहीं है।

गाजा में बंदूकें खामोश हैं, बंधक वापस आ गए... ट्रंप का इजरायली संसद में जोरदार भाषण, नेतन्याहू पर कसा तंज

एजेंसी तेल अवीव

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इजरायल-हमास में बंधकों की रिहाई और शांति समझौता होने के मौके पर तेल अवीव पहुंचे हैं। इस दौरान उन्होंने इजरायली संसद नेसेट को भी संबोधित किया। अपने संबोधन के दौरान ट्रंप ने इजरायली बंधकों की रिहाई पर खुशी जताई और कहा कि बंदूकें खामोश हैं और अब हमेशा ऐसी शांति बनी रहेगी। उन्होंने यह भी कहा कि यह इजरायल का स्वर्णिम युग है और उसे इस शांति को बनाकर रखना होगा। हालांकि, इस दौरान ट्रंप ने इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर तंज भी कसा और उन्हें एक महान नेता करार दिया। ट्रंप ने अपने भाषण की शुरुआत करते हुए कहा, "अंधेरे और कैद में बिताए दो कष्टदायक वर्षों के बाद, 20 साहसी बंधक अपने परिवारों के गौरवशाली आलिंगन में लौट रहे हैं। 28 और अनमोल प्रियजन आखिरकार इस पवित्र धरती पर हमेशा के लिए विश्राम करने के लिए घर लौट रहे हैं।" उन्होंने यह भी कहा, "बंदूकें खामोश हैं। यह क्षेत्र अब शांतिपूर्ण है और उम्मीद है कि हमेशा के लिए ऐसा ही रहेगा।" इस दौरान ट्रंप ने इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को धन्यवाद दिया और हल्के से कटाक्ष भी किया। ट्रंप ने कहा, "मैं असाधारण साहस और देशभक्ति के धनी व्यक्ति के प्रति अपना आभार व्यक्त करना चाहता हूँ, जिनकी साझेदारी ने इस महत्वपूर्ण दिन को संभव बनाने में बहुत योगदान दिया। आप जानते हैं, मैं केवल एक ही व्यक्ति की बात कर रहा हूंः प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू।" नेसेट में ज़ोरदार तालियों की गड़गड़ाहट के बीच ट्रंप ने नेतन्याहू को खड़े होने के लिए कहा। ट्रंप ने आगे कहा, "और मैं आपको बताना चाहता हूं कि वह आसान नहीं हैं। मैं आपको बताना चाहता हूं कि उनसे निपटना आसान नहीं है, लेकिन यही बात उन्हें महान बनाती है।" इस दौरान इजरायली सांसदों ने जमकर ठहाके लगाए। अपने भाषण के दौरान ट्रंप ने उन अरब देशों का भी धन्यवाद दिया, जिन्होंने बातचीत में मदद की। उन्होंने कहा कि यह एक "अविश्वसनीय विजय" है कि उन्होंने साथ मिलकर काम किया। ट्रंप ने कहा, अब यह इजरायल का स्वर्ण युग होगा। साथ ही पूरे क्षेत्र के लिए भी "स्वर्ण युग" होगा।

ट्रूडो वाली बात नहीं... रिश्ते सुधारने की दिशा में भारत और कनाडा ने बढ़ा दिए कदम, इन दो तस्वीरों से समझिए

एजेंसी नई दिल्ली

भारत और कनाडा के रिश्ते एक बार फिर सहज होते दिख रहे हैं। पटरी से उतरे इन दोनों देशों के रिश्ते को वापस पटरी पर लाने के प्रयास तेज हो गए हैं। कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद के भारत आगमन और यहां एस जयशंकर और फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हुई मुलाकात ने दोनों देशों के बीच के बीतचीत को नई गति दी है। कनाडा के पूर्व पीएम जस्टिन ट्रूडो के कार्यकाल में रिश्ते तनावपूर्ण हो गए थे। ऐसे में आज की मीटिंग महज औपचारिकता नहीं, बल्कि भरोसा बहाल करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। भारत पहुंचीं कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद ने सोमवार नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। पीएम मोदी ने कहा कि उनकी भारत यात्रा से द्विपक्षीय साझेदारी को नई गति मिलेगी। प्रधानमंत्री कार्यालय (PMO) द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि प्रधानमंत्री ने विदेश मंत्री आनंद का स्वागत किया और कहा कि उनकी यात्रा भारत-कनाडा द्विपक्षीय साझेदारी को नई गति देने के लिए जारी प्रयासों में योगदान देगी। बयान में कहा गया है कि बैठक के दौरान मोदी ने इस साल जून में जी-7 शिखर सम्मेलन के लिए कनाडा की अपनी यात्रा को याद किया और कहा कि उस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के साथ 'बेहद सार्थक' बैठक की थी। पीएमओ ने कहा, प्रधानमंत्री ने व्यापार, ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, कृषि और दोनों देशों नागरिकों के बीच संबंधों में दोनों देशों के बीच बढ़ते सहयोग के महत्व पर चर्चा की। इससे पहले अनीता आनंद ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर से भी मुलाकात की। दोनों पक्षों ने विश्वास बहाली और विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने की अपनी मंशा दोहराई। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा पिछले दो महीनों में भारत-कनाडा द्विपक्षीय संबंधों में लगातार प्रगति हुई है। हम अपनी साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक तंत्रों को बहाल करने और उन्हें पुनर्जीवित करने के लिए काम कर रहे हैं। विदेश मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि दोनों देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों के बीच हाल ही में हुई बातचीत हमारी सुरक्षा चिंताओं के समाधान की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा, जब हम कनाडा को देखते हैं, तो हमें एक खुला समाज, विविधता और बहुलवाद दिखाई देता है, जो सभी घनिष्ठ सहयोग का आधार बनते हैं। जयशंकर ने कहा दोनों पक्षों ने व्यापार, निवेश, AI और ऊर्जा सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग के लिए एक महत्वाकांक्षी रोडमैप तैयार किया है।

गाजा में अमेरिकी हथियारों से आई शांति लेकिन इसकी जगह स्कूल और... इजरायल में आखिर क्या समझाना चाहते थे ट्रंप

एजेंसी तेल अवीव

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इजरायली संसद को संबोधित करते हुए जमकर अपनी पीठ थपथपाई है। उन्होंने कहा कि इजरायल ने अमेरिका की मदद से जो भी चाहा, उसे हासिल किया। उन्होंने यह भी कहा कि गाजा में हथियारों से शांति आई। लेकिन, थोड़ी देर बाद उन्होंने यह भी कहा कि दुनिया के देशों को हथियार बनाने की जगह अपने पैसों को स्कूल और दवाएं बनाने में खर्च करना चाहिए। इस दौरान ट्रंप यह भूल गए कि दुनिया में हथियारों पर सबसे ज्यादा खर्च अमेरिका ही करता है। वह न सिर्फ दुनिया का सबसे बड़ा हथियार निर्यातक देश है, बल्कि सबसे बड़ा रक्षा बजट वाला देश भी है। ट्रंप ने कहा, मध्य पूर्व के देशों को दुश्मनी करना बंद करना चाहिए और "अवसर और समृद्धि" पैदा करने के लिए मिलकर काम करना चाहिए। उनका कहना है कि "हथियार बनाने के बजाय", इस क्षेत्र के देशों को स्कूलों, चिकित्सा, उद्योग और कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर पैसा खर्च करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उन्होंने कहा, "यहां तक कि ईरान के लिए भी, जिसके शासन ने मध्य पूर्व पर इतना कहर ढाया है।" ट्रंप ने कहा, "बीबी (बेंजामिन नेतन्याहू) मुझे इतनी बार फोन करते थे और वे हथियार मांगते थे। इतनी बार कि इजरायल मजबूत और शक्तिशाली बन गया... यही शांति का कारण बना।" ट्रंप ने अपने भाषण के अंत में अपने विशेष दूत स्टीव विटकॉफ, अपने सलाहकार और दामाद जेरेड कुशनर के साथ-साथ विदेश मंत्री मार्को रुबियो और युद्ध मंत्री पीट हेगसेथ का भी धन्यवाद किया। अमेरिका हथियारों का सबसे बड़ा निर्यातक है, जो 2020-2024 के बीच वैश्विक हथियार निर्यात का 43% हिस्सा है। इस अवधि के दौरान, अमेरिका ने 107 देशों को हथियार बेचे, जिसमें यूक्रेन सबसे बड़ा प्राप्तकर्ता था। 2023-2024 में अमेरिका के मुख्य निर्यात गंतव्यों में यूक्रेन, जापान, सऊदी अरब, कतर और संयुक्त अरब अमीरात शामिल थे।

सुखोई फाइटर जेट में ग्लाइड बम Grom-E1 से भीषण हमला, भारी तबाही, रूस ने तोड़ डाली यूक्रेनी एयर डिफेंस की दीवार

एजेंसी मॉस्को

रूस ने अपने सुखोई फाइटक जेट में ग्लाइड बम Grom-E1 से दि्नप्रो में भारी हमले किए हैं। 9 अक्टूबर 2025 को शाम करीब 6:15 बजे (स्थानीय समय) यूक्रेन के दि्नप्रो शहर में एक जोरदार विस्फोट ने पूरे क्षेत्र को हिला दिया। यह इलाका ज़ापोरिज्जिया फ्रंटलाइन से करीब 120 किलोमीटर अंदर स्थित है, जो आमतौर पर यूक्रेनी नियंत्रण में माना जाता है। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में देखा गया कि एक अज्ञात वस्तु आसमान में ग्लाइड करती हुई दिखाई देती है, जिसके बाद काले धुएं का गुबार शहर के ऊपर उठता है। मिलिट्री एक्सपर्ट्स का मानना है कि रूस ने अपने सुखोई फायटर जेट से Grom-E1 ग्लाइड बम से हमला किया है, जिससे पता चलता है कि रूस ने यूक्रेन के अंदर अपनी गहराई तक मार करने वाली प्रिसिशन स्ट्राइक क्षमताओं का इस्तेमाल तेजी से बढ़ा दिया है। फ्लाइट पाथ से पता चलता है कि विस्फोट से पहले ये बम हवा में ग्लाइड कर रहा था, इसीलिए यह माना जा रहा है कि हमला करने वाला हथियार, एक ग्रोम-ई1 बूस्टेड ग्लाइड बम था। Grom-E1, दरअसल रूस की नई पीढ़ी की Kh-38 मिसाइल सीरिज पर आधारित एयर-लॉन्च्ड ग्लाइड बम है। इसमें सॉलिड ईंधन वाला टू स्टेज रॉकेट इंजन होता है, जो इसे 120 किलोमीटर तक की रेंज प्रदान करता है। यह 594 किलोग्राम वजनी मिसाइल अपने साथ 315 किलोग्राम हाई-एक्सप्लोसिव वारहेड लेकर चलती है और GLONASS नेविगेशन सिस्टम की मदद से स्थिर लक्ष्यों पर बेहद सटीकता से हमला करती है। इसकी फोल्डेबल विंग्स इसे किसी भी दिशा से लक्ष्य तक पहुंचने की क्षमता देती हैं, जिससे यह अमेरिकी JDAM-ER बम सिस्टम के समान दिखती है। वहीं, इसका दूसरा वेरिएंट Grom-E2, डबल वारहेड के साथ आता है लेकिन उसकी रेंज सिर्फ 50 किलोमीटर तक सीमित होती है। यूरेशियन टाइम्स की रिपोर्ट में पूर्व भारतीय वायुसेना पायलट विजयेन्द्र के ठाकुर ने लिखा है कि ड्निप्रो पर हुए इस हमले से यह साफ पता चलता है कि रूस अब अपने Su-34, Su-35S या Su-30SM लड़ाकू विमानों के जरिए गहराई में मौजूद यूक्रेनी ठिकानों को भी निशाना बना सकता है। उनका कहना है कि ऐसी स्ट्राइक तभी संभव है जब यूक्रेन के मिड-रेंज एयर डिफेंस सिस्टम (जैसे Buk-M1, NASAMS या IRIS-T) उस सेक्टर में या तो नष्ट हो चुके हों या बेअसर पड़े हों। इस हमले ने यूक्रेन के एयर डिफेंस सिस्टम की नाकामी को उजागर किया है, खासकर ज़ापोरिज्जिया और मध्य ड्निप्रो क्षेत्र में। रूस अब इस कमजोर कड़ी का लाभ उठाते हुए Geran-2 ड्रोन और ग्लाइड बमों का मिश्रित इस्तेमाल कर रहा है, ताकि यूक्रेन की बाकी एयर डिफेंस कवच को भी खत्म किया जा सके। विजयेन्द्र के ठाकुर ने आशंका जताई है कि Grom-E1 का इस्तेमाल, रूस के हथियार डेवलपमेंट में एक रणनीतिक बदलाव को दर्शाता है। पहले रूस के पास FAB-500 UMPK Glide Bombs (80 किमी रेंज) और Geran-2 Drones (छोटे वारहेड) के बीच एक "स्ट्राइक गैप" था, यानी, एक ऐसी हथियार प्रणाली की कमी थी, जो मध्यम दूरी पर भारी वारहेड के साथ हमला कर सके। लेकिन Grom-E1 ने रूस की बहुत बड़ी कमी को पूरी कर दी है। इसके जरिए रूस यह संकेत और संदेश देने की कोशिश कर रहा है कि आने वाले दिनों में रूस एक नये तरह के हमलों के पैटर्न की शुरूआत कर सकता है।

गाजा में युद्धविराम से पाकिस्तान में कोहराम, लाहौर में भयानक हिंसा, कट्टरपंथी संगठन TLP के चीफ साद रिजवी को पुलिस ने मारी गोली

एजेंसी इस्लामाबाद

गाजा में युद्धविराम से लोग जश्न मना रहे हैं। गाजा के लोगों को करीब 2 सालों के बाद बमबारी से राहत मिली है और इजरायल भी युद्ध खत्म होने का उत्सव मनाया जा रहा है। लेकिन जिन पाकिस्तानियों को गाजा से कोई मतलब नहीं है, वो इस युद्धविराम के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं और अपने ही देश को फूंक रहे हैं। पाकिस्तान की कट्टरपंथी पार्टी तहरीक-ए-लब्बैक यानि TLP ने भारी खूनखराबा करना शुरू कर दिया है और पाकिस्तान की सड़कों पर भयानक हिंसा की जा रही है। लाहौर में सैकड़ों गाड़ियों को जला दिया गया है और सड़कों पर जमकर हिंसा की गई है। तहरीक-ए-लब्बैक इजरायल और हमास के बीच हुए युद्धविराम का विरोध कर रहा है। लाहौर में इजरायल विरोधी प्रदर्शन के दौरान TLP के कार्यकर्ताओं ने बीच सड़क पर एक पुलिसकर्मी की हत्या कर दी है। इसने पिछले बार जब इमरान खान के शासन के दौरान फ्रांस को लेकर प्रदर्शन किया था, उस वक्त भी इसके कार्यकर्ताओं ने दर्जनों पुलिसवालों की हत्या कर दी थी और इस बार भी ऐसा ही किया जा रहा है। दावा ये भी है कि पुलिस की गोली TLP के चीफ और प्रदर्शन के लिए लोगों को भड़काने वाला साद रिजवी को भी लगी है, जिसके बाप ने 'सर तन से जुदा' के नारे दिए थे। NDTV के मुताबिक, हिंसक झड़पों में TLP प्रमुख साद रिजवी गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। पार्टी ने दावा किया कि जब पुलिस ने भीड़ पर गोलियां चलाईं, तो रिजवी को कई गोलियां लगीं और उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। इससे कुछ देर पहले TLP ने उनका एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें रिजवी पुलिस से गोली चलाना बंद करने की अपील करते नजर आ रहे हैं। वीडियो में वो कह रहे हैं कि मैं बातचीत के लिए तैयार हूं। इसके अलावा वीडियो में पीछे से गोलियों की आवाजें सुनी जा सकती हैं। सोशल मीडिया पर वायरल एक और क्लिप में जले हुए वाहन और ट्रक में सवार घायल प्रदर्शनकारी दिख रहे हैं। पुलिस के मुताबिक, सोमवार की हिंसा उस वक्त शुरू हुई जब प्रदर्शनकारियों ने कंटेनर हटाने की कोशिश की, जिन्हें सुरक्षा बलों ने सड़कों पर ब्लॉक करने के लिए लगाया था। लाहौर और मुरीदके के बीच कई जगहों पर पुलिस और TLP समर्थकों के बीच सीधी भिड़ंत हुई है। प्रदर्शनकारियों का लक्ष्य इस्लामाबाद स्थित अमेरिकी दूतावास के बाहर फिलिस्तीन के समर्थन में रैली करना था, लेकिन पुलिस ने उन्हें जाने से रोकने की कोशिश की और हिंसा फैलने के बाद

वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों ने खूब किया परेशान, फिर भी जीत के करीब टीम इंडिया, आखिरी दिन बनाने होंगे 58 रन

एजेंसी नई दिल्ली

वेस्टइंडीज ने भारत को दूसरे टेस्ट में जीत के लिए महज 121 रन का टारगेट दिया है। मुकाबले के चौथे दिन वेस्टइंडीज अपनी दूसरी पारी में 390 रन पर सिमट गई। इसी के साथ भारत को दो मुकाबलों की इस सीरीज में 2-0 से क्लीन स्वीप का गोल्डन चांस मिल गया है। भारतीय टीम ने स्टंप तक एक विकेट खोकर 63 रन बना लिए हैं। टीम को जीत के लिए 58 और रनों की जरूरत है। यशस्वी जायसवाल सस्ते में आउट हो गए। केएल राहुल 25 जबकि साई सुदर्शन 30 रन बनाकर खेल रहे हैं। टीम इंडिया ने वेस्टइंडीज को फॉलोऑन खेलने पर मजबूर किया। इस पारी में भी मेहमान टीम की शुरुआत निराशाजनक रही। टीम ने 35 के स्कोर तक अपने दो विकेट गंवा दिए। यहां से सलामी बल्लेबाज जॉन कैंपबेल ने शाई होप के साथ तीसरे विकेट के लिए 177 रन जोड़ते हुए टीम के ऊपर से पारी की हार का खतरा टाल दिया। कैंपबेल ने 199 गेंदों में 12 चौकों और 3 छक्कों के साथ 115 रन बनाए। कैंपबेल के पवेलियन लौटने के बाद शाई होप ने कप्तान रोस्टन चेज के साथ चौथे विकेट के लिए 59 रन जोड़ते हुए टीम को लीड दिलाई। शाई होप ने भी वेस्टइंडीज की तरफ से शतक लगाया। उन्होंने 214 गेंदों का सामना किया, जिसमें 2 छक्कों और 12 चौकों के साथ 103 रन बनाए। उनके अलावा, कप्तान रोस्टन चेज ने टीम के खाते में 40 रन का योगदान दिया। जस्टिन ग्रीव्स 50 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि जायडेन सील्स ने टीम के खाते में 32 रन जोड़े। आखिरी विकेट के लिए सील्स और ग्रीव्स के बीच 79 रनों की साझेदारी हुई। इसी वजह से मैच का नतीजा अब 5वें दिन आएगा। भारत की ओर से इस पारी में कुलदीप यादव और जसप्रीत बुमराह ने 3-3 विकेट निकाले, जबकि मोहम्मद सिराज को 2 विकेट हाथ लगे। पहली पारी में भारत के पास थी 270 रनों की बढ़त मुकाबले में टॉस जीतकर बल्लेबाजी के लिए उतरी भारतीय टीम ने अपनी पारी 518/5 के स्कोर पर घोषित की। यशस्वी जायसवाल ने 175, जबकि कप्तान शुभमन गिल ने नाबाद 129 रन बनाए। इस पारी में जोमेल वारिकन को सर्वाधिक 3 सफलताएं हाथ लगीं। इसके जवाब में वेस्टइंडीज की टीम पहली पारी में महज 248 रन पर ऑलआउट हो गई। एलिक एथनाज ने सर्वाधिक 41 रन बनाए, जबकि शाई होप ने टीम के खाते में 36 रन जोड़े। भारत ने पहली पारी के आधार पर 270 रन की विशाल बढ़त हासिल की।

पलक झपकते ही हवा में उड़ने लगा स्टंप... जसप्रीत बुमराह ने जोमल वारिकन को मारा ऐसा शानदार बोल्ड

एजेंसी नई दिल्ली

भारत और वेस्टइंडीज के बीच अरुण जेटली स्टेडियम में दूसरे टेस्ट का चौथा दिन समाप्त हो गया है। टीम इंडिया को पांचवें दिन जीत के लिए 58 रन की जरूरत है। मेजबान भारत का स्कोर 18 ओवर के बाद 1 विकेट के नुकसान पर 63 रन है। खेल के चौथे दिन वेस्टइंडीज की दूसरी पारी के दौरान भारत के गन गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने कैरेबियाई टीम के उपकप्तान जोमल वारिकन को लाजवाब बोल्ड मारा। वारिकन के आउट होने की वीडियो सोशल मीडिया पर सामने भी आई है। दरअसल,वेस्टइंडीज की पारी का 95वां ओवर भारत की तरफ से जसप्रीत बुमराह डाल रहे थे। उनके ओवर की दूसरी गेंद पर जोमेल वारिकन स्ट्राइक पर थे। बुमराह ने उनको गुड लेंथ पर गेंद डाली। गेंद पड़ने के बाद तेजी से अंदर आई। वारिकन पूरी तरह से बीट हो गए और गेंद उनके पैड पर लगकर ऑफ स्टंप पर जाकर लगी। ऑफ स्टंप हवा में उड़कर नीचे गिरा। इस तरह वारिकन सिर्फ 3 रन बनाकर आउट हो गए। वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों ने दूसरी पारी में अच्छी चुनौती पेश की लेकिन यह पर्याप्त नहीं था क्योंकि भारत को जीतने के लिए और सीरीज में क्लीनस्वीप करने के लिए अब केवल 58 रन की जरूरत है। वेस्टइंडीज ने अपनी दूसरी पारी में 390 रन बनाकर भारत के सामने 121 रन का लक्ष्य रखा। अहमदाबाद में खेले गए पहले टेस्ट मैच को पारी और 140 रन के अंतर से जीतने वाले भारत ने अपनी पहली पारी पांच विकेट पर 518 रन बनाकर समाप्त घोषित की थी जिसके जवाब में वेस्टइंडीज की टीम 248 रन ही बना पाई थी और उसे फॉलोऑन करना पड़ा था। जॉन कैम्पबेल (199 गेंदों पर 115 रन) और शाई होप (214 गेंदों पर 103 रन) ने तीसरे विकेट के लिए 177 रन जोड़कर संघर्ष करने का जज्बा दिखाया। लेकिन अगर मैच पांचवें दिन में चला गया तो उसका श्रेय जस्टिन ग्रीव्स (नाबाद 50) और जेडन सील्स (32) को जाता है जिन्होंने दसवें विकेट के लिए 79 रन की साझेदारी की। भारत ने 80 ओवर के बाद नई गेंद ली। इसके बाद वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों की कमजोरी खुलकर सामने आ गई। भारत की तरफ से जसप्रीत बुमराह और कुलदीप यादव ने तीन-तीन, मोहम्मद सिराज ने दो तथा रविंद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर ने एक-एक विकेट लिया।

क्या विराट कोहली-रोहित शर्मा खेलेंगे 2027 का वनडे वर्ल्ड कप ? रवि शास्त्री ने सब खोलकर रख दिया

एजेंसी नई दिल्ली

भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री का मानना है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा की 2027 वनडे वर्ल्ड कप में खेलने की उम्मीदें ' फॉर्म (लय), फिटनेस और जज्बा ' पर निर्भर करती हैं और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी सीरीज इन पहलुओं की एक अहम परीक्षा होगी। भारत के 2017 से 2021 तक कोच रहे 63 साल के शास्त्री ने कहा कि इन दोनों दिग्गजों को अपनी जगह पक्की करने के लिए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मजबूत प्रदर्शन करना होगा। रोहित और कोहली को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। यह सीरीज 19 अक्टूबर से पर्थ में शुरू होगी। ' क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू के मुताबिक शास्त्री ने एक इवेंट में कहा , 'इसीलिए वे यहां हैं (ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज खेल रहे हैं) । ' उन्होंने कहा , 'वे इस टीम संयोजन का हिस्सा हैं। यह उनकी फिटनेस , जज्बे और जाहिर है फॉर्म पर निर्भर करता है। मुझे लगता है कि उनके प्रदर्शन के आकलन के लिए यह सीरीज बहुत महत्वपूर्ण है। इस सीरीज के आखिर में उन्हें खुद भी पता चल जाएगा कि वे कैसा महसूस कर रहे हैं और फिर फैसला उनका होगा।' रोहित और कोहली अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अब सिर्फ एकदिवसीय प्रारूप में खेलते है। यह देखना बाकी है कि क्या वे भारत की दीर्घकालिक योजनाओं में फिट बैठते हैं , क्योंकि अगला वनडे विश्व कप अभी दो साल दूर है। उस समय रोहित की उम्र 40 और कोहली की 38 साल हो जाएगी। हाल ही में रोहित की जगह शुभमन गिल को भारत के एकदिवसीय टीम का कप्तान बनाया गया है। रोहित और कोहली फरवरी में चैंपियंस ट्रॉफी में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। भारत इसका विजेता बना था। रोहित इसके फाइनल में ' प्लेयर ऑफ द मैच ' चुने गये थे जबकि कोहली पूरे टूर्नामेंट में भारत को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाते हुए शीर्ष पांच बल्लेबाजों में शामिल थे। शास्त्री ने कहा , 'ऑस्ट्रेलिया के नजरिए से देखें तो यही बात स्टीव स्मिथ पर भी लागू होती है , जिन्होंने मार्च में वनडे क्रिकेट से संन्यास लिया। उस उम्र में आपको खेल का आनंद लेना होता है और साथ ही अब भी आपके अंदर जज्बा होना चाहिये। उन्होंने कहा , 'लेकिन जब बात बड़े मैचों की आती है , तो अनुभव का कोई विकल्प नहीं होता। हमने इसे चैंपियंस ट्रॉफी में देखा है। बड़े मैच आते हैं तो बड़े खिलाड़ी ही आगे आते हैं। '

फाइव विकेट हॉल और बर्थडे... राशिद खान के बाद सिर्फ इस महिला क्रिकेटर ने किया यह कमाल

एजेंसी नई दिल्ली

महिला वर्ल्ड कप में 12 अक्टूबर को भारत और ऑस्ट्रेलिया का मैच विशाखापत्तनम के एसीए-वीडीसीए स्टेडियम में खेला गया। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेटर ने इतिहास रचा। हम बात कर रहे हैं एनाबेल सदरलैंड की, जिन्होंने भारत के खिलाफ पंजा खोला। एनाबेल सदरलैंड ने 9.5 ओवर डाले और 40 रन देकर 4.07 की इकॉनमी से गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट लिए। उन्होंने प्रतिका रावल, जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष, क्रांति गौड़ और चरणी का विकेट लिया। बता दें कि एनाबेल सदरलैंड का 12 अक्टूबर को जन्मदिन भी था। अपने बर्थडे पर पंजा खोलकर उन्होंने इतिहास रच दिया। महिला क्रिकेट में वह वनडे फॉर्मेट में अपने जन्मदिन पर 5 विकेट हॉल लेने वाली पहली खिलाड़ी बन गई हैं। वहीं ओवरलऑल वनडे क्रिकेट के इतिहास में ऐसा करने वाली दूसरी खिलाड़ी बन गई हैं। इससे पहले यह कारनामा राशिद खान ने 2024 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ किया था। राशिद ने अपने बर्थडे पर पंजा खोला था। ऑस्ट्रेलिया की कप्तान एलिसा हीली ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। ऐसे में भारत ने पहले बैटिंग करते हुए 48.5 ओवर में 330 रन बना डाले। स्मृति मंधाना ने 80 तो प्रतिका रावल ने 75 रन बनाए। बता दें कि यह भारत का महिला वर्ल्ड कप में सबसे बड़ा स्कोर था। जेमिमा रोड्रिग्स ने 33 तो ऋचा घोष ने 32 रन बनाए। सदरलैंड के पंजे के अलावा सोफी मोलीन्यूक्स ने 3 विकेट लिए थे। मेगन शूट और एश्ले गार्डनर ने 1-1 विकेट लिया था। 331 रन का टारगेट देने के बाद भी भारत मैच हार गया। ऑस्ट्रेलिया ने 1 ओवर पहले और 3 विकेट रहते ही मैच अपने नाम कर लिया। कप्तान एलिसा हीली ने 107 गेंदों का सामना कर 142 रन की गजब पारी खेली। उन्होंने दमदार शतक लगाया। फीबी लीचफील्ड (40), एलिसा पैरी (47 नॉट आउट) और एश्ले गार्डनर (45) ने कुछ अच्छी पारियां खेली। भारत के लिए 3 विकेट नल्लापुरेड्डी चरणी ने लिए।

व्यापार

8 साल में पहली बार हुआ ऐसा... सिर्फ 1.54% के इस आंकड़े ने चौंका दिया, EMI घटने की अटकलें तेज

एजेंसी नई दिल्ली

देश में खुदरा महंगाई सितंबर 2025 में घटकर 1.54% पर आ गई है। यह पिछले आठ सालों में सबसे कम है। मिनिस्ट्री ऑफ स्टैटिस्टिक्स एंड प्रोग्राम इम्प्लीमेंटेशन (MoSPI) ने सोमवार को यह डेटा जारी किया। यह गिरावट अगस्त के 2.07% से 0.53% कम है। इसकी मुख्य वजह पिछले साल के मुकाबले कीमतों में आई नरमी है। साथ ही सब्जियों, तेल, फल, दाल, अनाज और ईंधन जैसी जरूरी चीजों के दाम का कम होना है। सबसे बड़ा चौंकाने वाला फैक्टर खाद्य महंगाई है जो लगातार चौथे महीने निगेटिव रही। कंज्यूमर फूड प्राइस इंडेक्स (सीएफपीआई) सितंबर में -2.28% रहा। यह दिसंबर 2018 के बाद सबसे कम है। ग्रामीण इलाकों में खाद्य महंगाई -2.17% और शहरी इलाकों में -2.47% रही। सरकार के आंकड़ों के अनुसार, सब्जियों और खाने के तेलों के दाम कम होने से यह गिरावट आई है। दालों और अनाजों पर भी महंगाई का दबाव कम हुआ है। इस बेहद निचले स्तर के आंकड़ों के बाद अब बाजार और एक्सपर्ट यह उम्मीद कर रहे हैं कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) नीतिगत ब्याज दरों में कटौती करेगा। इससे अर्थव्यवस्था में पैसों का प्रवाह बढ़ेगा और मांग में सुधार होगा। आरबीआई ने खुदरा महंगाई को 4% (+/- 2%) के लक्ष्य के भीतर रखने का टारगेट तय किया है, यानी 2% से 6% के बीच। 1.54% का आंकड़ा इस टारगेट सीमा के निचले सिरे (2%) से भी काफी नीचे है। आरबीआई की ओर से ब्याज दरों के घटने का यह भी मतलब होगा कि होम लोन और पर्सनल लोन की ईएमआई घटेगी। ग्रामीण इलाकों में महंगाई सितंबर में घटकर 1.07% रह गई, जो अगस्त में 1.69% थी। वहीं, शहरी इलाकों में यह 2.04% पर आ गई, जो अगस्त में 2.47% थी। सेक्टरों की बात करें तो हाउसिंग इन्फ्लेशन बढ़कर 3.98% हो गई। यह अगस्त में 3.09% थी। एजुकेशन इन्फ्लेशन थोड़ी कम होकर 3.44% रही, जबकि स्वास्थ्य महंगाई 4.34% पर आ गई। ट्रांसपोर्ट और कम्युनिकेशन में महंगाई 1.82% रही। वहीं, फ्यूल और लाइट में 1.98% रही। राज्यों की बात करें तो केरल में सबसे ज्यादा 9.94% महंगाई दर्ज की गई। इसके बाद हिमाचल प्रदेश (2.98%), तमिलनाडु (3.09%), उत्तराखंड (3.77%) और जम्मू और कश्मीर (4.79%) रहे। वहीं, उत्तर प्रदेश (-1.21%), तेलंगाना (-0.29%), और मध्य प्रदेश (-0.05%) में महंगाई सबसे कम या नकारात्मक रही। नेशनल स्टैटिस्टिकल ऑफिस (एनएसओ) ने देश भर के 1,181 गांवों और 1,114 शहरी बाजारों से कीमतें इकट्ठा कीं। ग्रामीण इलाकों में 99.83% और शहरी इलाकों में 98.56% लोगों ने जानकारी दी। अक्टूबर 2025 के लिए सीपीआई डेटा 12 नवंबर को जारी किया जाएगा।

इसमें कई मसले हैं... जब पीएम मोदी ने जीएसटी को सीधे कहा था `NO'!

एजेंसी नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुरुआत में गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (जीएसटी) खारिज कर दिया था। वह इसे लेकर दिए गए पहले प्रेजेंटेशन में तैयार नहीं हुए थे। लेकिन, बाद में 'एक राष्ट्र, एक कर' और आर्थिक आजादी के वादे से प्रभावित होकर इसका समर्थन किया। यह खुलासा प्रधानमंत्री के पूर्व प्रधान सचिव नृपेंद्र मिश्र ने एक इंटरव्यू में किया। मिश्र ने बताया कि कैसे तत्कालीन वित्त मंत्री अरुण जेटली और अधिकारियों के साथ मिलकर उन्होंने प्रधानमंत्री को दो बार प्रेजेंटेशन दिया। इसके बाद मोदी जीएसटी लागू करने के लिए तैयार हुए। नृपेंद्र मिश्र ने हिंदुस्तान टाइम्स को दिए इंटरव्यू में बताया कि प्रधानमंत्री मोदी का विजन बहुत बड़ा है। वह बहुत ऊंचे टारगेट और स्टैंडर्ड रखते हैं। मिश्र ने कहा कि उन्हें प्रधानमंत्री के साथ काम करते हुए कभी-कभी मतभेद का सामना करना पड़ा। ऐसा ही एक मतभेद जीएसटी को लेकर हुआ था। मश्रि ने याद करते हुए कहा कि गुजरात के सीएम रहते हुए पीएम मोदी ने जीएसटी का विरोध किया था। इसलिए जब वित्त मंत्री अरुण जेटली और अधिकारियों ने पहली बार उन्हें जीएसटी का प्रेजेंटेशन दिया तो उन्होंने इसे तुरंत खारिज कर दिया। प्रधानमंत्री ने कहा था कि इसमें कई मुद्दे हैं और उन्हें मैन्युफैक्चरिंग और उपभोग करने वाले राज्यों से सलाह लेनी होगी, इसलिए वह इसे मंजूरी नहीं दे सकते। प्रधानमंत्री के इस जवाब से मिश्र और जेटली निराश हुए थे। वे बाहर निकले और जेटली ने मिश्र को फिर से अपने कमरे में बुलाया। दोनों ने मिलकर एक रणनीति पर विचार किया। इसके बाद प्रधानमंत्री को जीएसटी के बारे में दो और प्रेजेंटेशन दिए गए। मिश्र का मानना है कि प्रधानमंत्री केवल दो बातों से प्रभावित हुए। पहली बात थी 'एक राष्ट्र, एक कर' (वन नेशन, वन टैक्सेशन), जो जीएसटी का मूल सिद्धांत है। दूसरी बात यह बताई गई कि जो भी जीएसटी लागू करेगा या इसे स्वीकार करके लागू करवाएगा, वह आर्थिक आजादी लाने में अग्रणी बन जाएगा। पूर्व प्रधान सचिव के अनुसार, प्रधानमंत्री को समझाया गया कि यह टैक्स प्रणाली व्यापारियों को टैक्स नीति की जटिलताओं और अलग-अलग स्तरों पर लगने वाले कई टैक्स से मुक्ति दिलाएगी। इन दो बातों पर प्रधानमंत्री ने ध्यान दिया। बहुत धैर्य से सुना। उन्होंने कहा, 'ठीक है - इस पर काम करो। मैं अपनी शंकाएं तुम्हें बताऊंगा, तुम समाधान लेकर आना। लेकिन, इसे लागू किया जाएगा।' मिश्र ने यह भी कहा कि एक बार जब प्रधानमंत्री कोई फैसला कर लेते हैं तो वह उसे बदलते नहीं हैं। जीएसटी को 1 जुलाई, 2017 को आधिकारिक तौर पर लागू किया गया था। यह आजादी के बाद भारत का सबसे बड़ा टैक्स सुधार था। इस एकीकृत अप्रत्यक्ष कर ने कई केंद्रीय और राज्य करों, जैसे उत्पाद शुल्क (एक्साइज), सर्विस टैक्स, और वैट की जगह ली। इससे देश में सिंगल नेशनल मार्केट का निर्माण हुआ। जीएसटी का मुख्य उद्देश्य टैक्स के जाल को खत्म कर एक समान टैक्स प्रणाली लाना था। इसके पीछे मंशा व्यापार करना आसान बनाना और अर्थव्यवस्था को रफ्तार देना है। प्रधानमंत्री मोदी के शुरुआती विरोध के बावजूद जीएसटी का लागू होना उनकी दूरदर्शिता और आर्थिक सुधारों के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

150000000000 का निवेश, 14000 नई जॉब... ताइवान की इस कंपनी ने की बड़ी डील, ट्रंप को मिर्ची लगनी तय

एजेंसी नई दिल्ली

ताइवान की बड़ी कंपनी फॉक्सकॉन तमिलनाडु में 15000 करोड़ रुपये का निवेश करने जा रही है। इससे राज्य में 14000 नई नौकरियां पैदा होंगी। तमिलनाडु के उद्योग मंत्री टीआरबी राजा ने सोमवार को यह जानकारी दी। मंत्री ने बताया कि यह इंजीनियरिंग नौकरियों के लिए राज्य में अब तक का सबसे बड़ा निवेश है। इससे तमिलनाडु के इलेक्ट्रॉनिक्स और एडवांस मैन्युफैक्चरिंग (उन्नत विनिर्माण) क्षेत्र को काफी बढ़ावा मिलेगा। बता दें कि फॉक्सकॉन वह कंपनी है जो एप्पल के लिए आईफोन बनाती है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एप्पल से कह चुके हैं कि वह आईफोन का निर्माण भारत की जगह अमेरिका में करे। लेकिन एप्पल ने ट्रंप की एक नहीं सुनी है। उल्टे वह फॉक्सकॉन में निवेश कर रही है ताकि आईफोन का भारत में निर्माण ज्यादा से ज्यादा हो सके। अब फॉक्सकॉन के भारत में निवेश के फैसले से ट्रंप को मिर्ची लगनी तय है। राजा ने बताया कि फॉक्सकॉन तमिलनाडु में अपने काम को और बढ़ाना चाहता है। कंपनी वैल्यू-एडेड मैन्युफैक्चरिंग (मूल्य-वर्धित विनिर्माण), रिसर्च एंड डेवलपमेंट (R&D) इंटीग्रेशन (अनुसंधान और विकास का एकीकरण) और AI-ड्रिवन एडवांस टेक्नोलॉजी ऑपरेशंस (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर आधारित उन्नत तकनीक संचालन) को राज्य में लाना चाहती है। इन विकास कार्यों में मदद के लिए, तमिलनाडु की निवेश प्रोत्साहन एजेंसी 'गाइडेंस' भारत में पहला फॉक्सकॉन डेस्क स्थापित करेगी। मंत्री ने कहा कि यह डेस्क प्रोजेक्ट्स को आसानी से पूरा करने और मिशन-मोड एग्जीक्यूशन (मिशन की तरह तेजी से काम) सुनिश्चित करेगा। उन्होंने इसे 'द्रविड़ियन मॉडल 2.0' की दिशा में एक कदम बताया। फिलहाल फॉक्सकॉन कंपनी तमिलनाडु, कर्नाटक और तेलंगाना में काम कर रही है। ये नई योजनाएं भारत में कंपनी के विस्तार का संकेत देती हैं। फॉक्सकॉन एक ऐसी कंपनी है जो दुनिया भर की बड़ी टेक कंपनियों के लिए इलेक्ट्रॉनिक सामान बनाती है, जैसे कि आईफोन। यह कंपनी बड़े पैमाने पर उत्पादन करने में माहिर है। तमिलनाडु में इसका निवेश राज्य की अर्थव्यवस्था के लिए बहुत महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

धनतेरस पर मां लक्ष्मी का पूजन घर में लाता है वैभव

कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को धन की देवी के उत्सव का प्रारंभ होने के कारण इस दिन को धनतेरस के नाम से जाना जाता है। धनतेरस को धन त्रयोदशी व धन्वन्तरी त्रयोदशी के नाम से भी जाना जाता है। धनतेरस पर पांच देवताओं, गणेश जी, मां लक्ष्मी, ब्रह्मा,विष्णु और महेश की पूजा होती है। ऐसी मान्यता है कि समुद्र मंथन के समय कलश के साथ माता लक्ष्मी का अवतरण हुआ उसी के प्रतीक के रूप में ऐश्वर्य वृद्धि, सौभाग्य वृद्धि के लिए बर्तन खरीदने की परम्परा शुरू हुई। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर- जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि औषधियों के जनक भगवान धनवंतरी की जयंती यानी धनतेरस का पर्व इस बार 18 अक्टूबर को मनाया जा रहा है। कहा जाता है कि समुद्र मंथन के दौरान भगवान धनवंतरी और मां लक्ष्मी का जन्म हुआ था, यही वजह है कि धनतेरस को भगवान धनवंतरी और मां लक्ष्मी की पूजा की जाती है। भारतीय कैलेंडर के अनुसार कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को धन की देवी के उत्सव का प्रारंभ होने के कारण इस दिन को धनतेरस के नाम से जाना जाता है। धनतेरस को धन त्रयोदशी व धन्वन्तरी त्रयोदशी के नाम से भी जाना जाता है। धनतेरस दिवाली के दो दिन पहले मनाया जाता है। ऐसी मान्यता है कि समुद्र मंथन के समय कलश के साथ माता लक्ष्मी का अवतरण हुआ उसी के प्रतीक के रूप में ऐश्वर्य वृद्धि, सौभाग्य वृद्धि के लिए बर्तन खरीदने की परम्परा शुरू हुई। माना जाता है कि इस दिन कोई नया सामान खरीदने से आपका धन 13 गुना बढ़ जाता है। भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि धनतेरस जिसे धन त्रयोदशी और धन्वंतरि जयंती भी कहते हैं पांच दिवसीय दीपावली का पहला दिन होता है। धनतेरस के दिन से दिवाली का त्योहार प्रारंभ हो जाता है। मान्यता है इस तिथि पर आयुर्वेद के जनक भगवान धन्वंतरि समुद्र मंथन से अमृत कलश लेकर प्रगट हो हुए थे। इसी कारण से हर वर्ष धनतेरस पर बर्तन खरीदने की परंपरा निभाई जाती है। कहा जाता है जो भी व्यक्ति धनतेरस के दिन सोने-चांदी, बर्तन, जमीन-जायजाद की शुभ खरीदारी करता है उसमें तेरह गुना की बढ़ोत्तरी होती है। चिकित्सक अमृतधारी भगवान धन्वन्तरि की पूजा करेंगे। इसी दिन से देवता यमराज के लिए दीपदान से दीप जलाने की शुरुआत होगी और पांच दिनों तक जलाए जाएंगे। इस दिन खरीदे गए सोने या चांदी के धातुमय पात्र अक्षय सुख देते हैं। लोग नए बर्तन या दूसरे नए सामान खरीदेंगे।

त्रयोदशी तिथि प्रारम्भ- 18 अक्तूबर 2025 को दोपहर 12:18 बजे से

त्रयोदशी तिथि समाप्त– 19 अक्तूबर 2025 को दोपहर 1:51बजे तक

रोग, शोक से मुक्ति दिलाता है यमदीप ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि धनतेरस पर यमदीप भी प्रज्वलित किया जाएगा। रोग,शोक,भय, दुर्घटना, मृत्यु से बचने के लिए धनतेरस की शाम घर के बाहर यमदीप जलाने की परंपरा है। इसी दिन धनवंतरी ने सौ तरह के मृत्यु की जानकारी के साथ अकाल मृत्यु से बचाव के लिए यमदीप जलाने की बात बतायी थी। धनत्रयोदशी के दिन सायंकाल यमराज के निमित्त दीपदान करें। इसे 'यम दीपदान' कहा जाता है। घर के मुख्य द्वार के बाहर गोबर का लेपन करें तत्पश्चात मिट्टी के 2 दीयों में तेल डालकर प्रज्वलित करें। दीये प्रज्वलित करते समय 'दीपज्योति नमोस्तुते' मंत्र का जाप करते रहें एवं अपना मुख दक्षिण दिशा की ओर रखें। धनत्रयोदशी के दिन 'यम दीपदान' करने से घर-परिवार में किसी सदस्य की अकाल मृत्यु नहीं होती है। इस दिन लक्ष्मी जी के स्वागत के लिए अपने घर के मुख्य द्वार पर रंगोली बनाने के साथ ही महालक्ष्मी के दो छोटे-छोट पद चिन्ह लगाए जाते हैं। धनतेरस पर माता लक्ष्मी के अलावा धन्वंतरी,कुबेर की भी पूजा की जाती है। धनवंतरी इसी तिथि को समुद्र मंथन से अवतरित हुए थे। प्राचीन काल में लोग इस दिन नए बर्तन खरीदकर उसमें क्षीर पकवान रखकर धनवंतरी भगवान को भोग लगाते थे।दिवाली से पहले धनतेरस का त्योहार मनाया जाता है। इस दिन माता लक्ष्मी और कुबेर के साथ भगवान धनवंतरी की पूजा भी की जाती है। घर में हमेशा सुख-समृद्धि बनी रहे इसलिए इस दिन इनकी पूजा की जाती है। इस दिन माता लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए आप पूजा में कुछ चीजें शामिल कर सकते हैं:

पान भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि शास्त्रों में धनतेरस पर पूजा की सामग्री के लिए पान का इस्तेमाल करें। पान के पत्ते में देवी-देवताओं का वास माना जाता है। इसलिए धनतेरस और दिवाली की पूजा में इसका इस्तेमाल शुभ माना जाता है।

सुपारी धनतेरस की पूजा में सुपारी का इस्तेमाल के बिना पूजा प्रारंभ ही नहीं होती है। सुपारी को ब्रह्मदेव, यमदेव, वरूण देव और इंद्रदेव का प्रतीक माना जाता है। धनतेरस के दिन पूजा में प्रयोग की गई सुपारी को तिजोरी में रखना लाभदायक होता है।

साबुत धनिया कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि धनतेरस के दिन आप साबुत धनिया खरीदकर लेकर आएं और इसे मां लक्ष्मी के सामने अर्पित करें। इससे आपकी सारी आर्थिक परेशानी दूर हो जाएगी।

बताशा और खील बताशा माता लक्ष्मी का सबसे प्रिय भोग है। माता लक्ष्मी की पूजा में बताशे का प्रयोग करने से हर समस्या का समाधान होता है। इस दिन खील जरूर खरीदना चाहिए। इससे धन समृद्धि बनी रहती है।

दिया भविष्यवक्ता डा. अनीष व्यास ने बताया कि पूजा से पहले मां के सामने दीप जलाना न भूलें। इससे यमदेव प्रसन्न होते हैं।

कपूर मां लक्ष्मी, कुबेर और भगवान धनवंतरी की पूजा में कपूर जरूर जलाएं। कपूर जलाने से घर की नकारात्मक ऊर्जा बाहर जाती है और सकारात्मक ऊर्जा घर में आती है। धनतेरस के दिन क्यों की जाती है लक्ष्मी जी की पूजा? पौराणिक कथा के अनुसार एक बार भगवान विष्णु मृत्युलोक में विचरण करने के लिए आ रहे थे तब लक्ष्मी जी ने भी उनसे साथ चलने का आग्रह किया। तब विष्णु जी ने कहा, 'अगर मैं जो बात कहूं तुम अगर वैसा ही मानो तो फिर चलो.' तब लक्ष्मी जी उनकी बात मान गईं और भगवान विष्णु के साथ भूमंडल पर आ गईं। कुछ देर बाद एक जगह पर पहुंचकर भगवान विष्णु ने लक्ष्मी जी से कहा, 'जब तक मैं न आऊं तुम यहां ठहरो। मैं दक्षिण दिशा की ओर जा रहा हूं, तुम उधर मत आना.' विष्णुजी के जाने पर लक्ष्मी के मन में कौतूहल जागा, 'आखिर दक्षिण दिशा में ऐसा क्या रहस्य है जो मुझे मना किया गया है और भगवान स्वयं चले गए।' भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि लक्ष्मी जी से रहा न गया और जैसे ही भगवान आगे बढ़े लक्ष्मी भी पीछे-पीछे चल पड़ीं। कुछ ही आगे जाने पर उन्हें सरसों का एक खेत दिखाई दिया जिसमें खूब फूल लगे थे।. सरसों की शोभा देखकर वह मंत्रमुग्ध हो गईं और फूल तोड़कर अपना श्रृंगार करने के बाद आगे बढ़ीं।. आगे जाने पर एक गन्ने के खेत से लक्ष्मी जी गन्ने तोड़कर रस चूसने लगीं। उसी क्षण विष्णु जी आए और यह देख लक्ष्मी जी पर नाराज होकर उन्हें शाप देते हुए बोले, 'मैंने तुम्हें इधर आने को मना किया था, पर तुम न मानी और किसान के खेत में चोरी का अपराध कर बैठी। अब तुम इस अपराध के जुर्म में इस किसान की 12 वर्ष तक सेवा करो.' ऐसा कहकर भगवान उन्हें छोड़कर क्षीरसागर चले गए। तब लक्ष्मी जी उस गरीब किसान के घर रहने लगीं। एक दिन लक्ष्मीजी ने उस किसान की पत्नी से कहा, 'तुम स्नान कर पहले मेरी बनाई गई इस देवी लक्ष्मी का पूजन करो, फिर रसोई बनाना, तब तुम जो मांगोगी मिलेगा।' किसान की पत्नी ने ऐसा ही किया। पूजा के प्रभाव और लक्ष्मी की कृपा से किसान का घर दूसरे ही दिन से अन्न, धन, रत्न, स्वर्ण आदि से भर गया। लक्ष्मी ने किसान को धन-धान्य से पूर्ण कर दिया. किसान के 12 वर्ष बड़े आनंद से कट गए. फिर 12 वर्ष के बाद लक्ष्मीजी जाने के लिए तैयार हुईं।

विष्णुजी लक्ष्मीजी को लेने आए तो किसान ने उन्हें भेजने से इंकार कर दिया। तब भगवान ने किसान से कहा, 'इन्हें कौन जाने देता है ,यह तो चंचला हैं, कहीं नहीं ठहरतीं. इनको बड़े-बड़े नहीं रोक सके। इनको मेरा शाप था इसलिए 12 वर्ष से तुम्हारी सेवा कर रही थीं। तुम्हारी 12 वर्ष सेवा का समय पूरा हो चुका है।' किसान हठपूर्वक बोला, 'नहीं! अब मैं लक्ष्मीजी को नहीं जाने दूंगा।'

तब लक्ष्मीजी ने कहा, 'हे किसान! तुम मुझे रोकना चाहते हो तो जो मैं कहूं वैसा करो। कल तेरस है. तुम कल घर को लीप-पोतकर स्वच्छ करना। रात्रि में घी का दीपक जलाकर रखना और सायंकाल मेरा पूजन करना और एक तांबे के कलश में रुपये भरकर मेरे लिए रखना। मैं उस कलश में निवास करुंगी. किंतु पूजा के समय मैं तुम्हें दिखाई नहीं दूंगी।'

लक्ष्मी जी ने आगे कहा, 'इस एक दिन की पूजा से वर्ष भर मैं तुम्हारे घर से नहीं जाऊंगी.' यह कहकर वह दीपकों के प्रकाश के साथ दसों दिशाओं में फैल गईं। अगले दिन किसान ने लक्ष्मीजी के कथानुसार पूजन किया. उसका घर धन-धान्य से पूर्ण हो गया। तभी से हर साल तेरस के दिन लक्ष्मीजी की पूजा होने लगी।

भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि पौराणिक कथा के अनुसार प्राचीन काल में हेम नाम का एक राजा था, जिसकी कोई संतान नहीं थी। बहुत समय बाद उन्हें एक पुत्र की प्राप्ति हुई। जब उस बालक की कुंडली बनवाई तब ज्योतिष ने कहा कि इसकी शादी के दसवें दिन मृत्यु का योग है। यह सुनकर राजा हेम ने पुत्र की शादी कभी न करने का निश्चय लिया और उसे एक ऐसे स्थान पर भेज दिया जहां कोई भी स्त्री न हो. लेकिन नियति को कौन टाल सकता? घने जंगल में राजा के बेटे को एक सुंदर स्त्री मिली और दोनों को आपस में प्रेम हो गया। फिर दोनों ने गंधर्व विवाह कर लिया। भविष्यवाणी के अनुसार विवाह के दसवें दिन यमदूत राजा के प्राण लेने पृथ्वीलोक आए। जब वे प्राण ले जा रहे थे तब उसकी पत्नी के रोने की आवाज सुनकर यमदूत का मन दुखी हो गया। यमदूत जब प्राण लेकर यमराज के पास पहुंचे तो बेहद दुखी थे। यमराज ने कहा कि दुखी होना स्वाभाविक है लेकिन कर्तव्य के आगे कुछ नहीं होता। ऐसे में यमदूत ने यमराज से पूछा, 'क्या इस अकाल मृत्यु को रोकने का कोई उपाय है?' तब यमराज ने कहा, 'अगर मनुष्य कार्तिक कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी के दिन व्यक्ति संध्याकाल में अपने घर के द्वार पर दक्षिण दिशा में दीपक जलाएगा तो उसके जीवन से अकाल मृत्यु का योग टल जाएगा।.' तब से धनतेरस के दिन यम पूजा का विधान है।

धनतेरस का महत्व

1. इस दिन नए उपहार, सिक्का, बर्तन व गहनों की खरीदारी करना शुभ माना जाता है। शुभ मुहूर्त में पूजन करने के साथ सात धान्यों की पूजा की जाती है. सात धान्य में गेहूं, उडद, मूंग, चना, जौ, चावल और मसूर शामिल होता है।
2. धनतेरस के दिन चांदी खरीदना शुभ माना जाता है।
3. भगवान धन्वन्तरी की पूजा से स्वास्थ्य और सेहत मिलता है। इस दिन ही दीपावली की रात लक्ष्मी गणेश की पूजा हेतु मूर्ति भी खरीदते हैं।

धनतेरस के दिन क्या करें

1. इस दिन धन्वंतरि का पूजन करें।
2. नवीन झाडू एवं सूपड़ा खरीदकर उनका पूजन करे।
3. सायंकाल दीपक प्रज्वलित कर घर, दुकान आदि को श्रृंगारित करें।
4. मंदिर, गोशाला, नदी के घाट, कुओं, तालाब, बगीचों में भी दीपक लगाएं।
5. यथाशक्ति तांबे, पीतल, चांदी के गृह-उपयोगी नवीन बर्तन और जेवर खरीदना चाहिए।
6. हल जुती मिट्टी को दूध में भिगोकर उसमें सेमर की शाखा डालकर तीन बार अपने शरीर पर फेरें।
7. कार्तिक स्नान करके प्रदोष काल में घाट, गौशाला, बावड़ी, कुआँ, मंदिर आदि स्थानों पर तीन दिन तक दीपक जलाएं।

धनतेरस पर खरीदे ये सामान भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि दिवाली से पहले धनतेरस पर पूजा का विशेष महत्व होता है। इस दिन धन और आरोग्य के लिए भगवान धन्वंतरि और कुबेर की पूजा की जाती है। इस साल धनतेरस 13 नवंबर को मनाया जाएगा। वहीं धनतेरस के दिन कुछ खास सामान को खरीदने का भी काफी महत्व माना जाता है। मान्यता है कि धनतेरस के दिन कुछ खास चीजों को खरीदना काफी शुभ रहता है। इन शुभ चीजों को खरीदने से घर परिवार में सुख शांती बनी रहती है और धन लाभ भी होता है। आइए जानते हैं ऐसी ही विशेष चीजों के बारे में जिन्हें धनतेरस के दिन खरीदा जाना चाहिए।

सोना-चांदी धनतेरस के दिन धातु की खरीद को काफी अहम माना जाता है. मान्यता है कि इस दिन धातु को खरीदने से भाग्य अच्छा बनता है। परंपरा है कि धनतेरस के दिन सोना, चांदी जरूर खरीदना चाहिए। इस दिन बजट के मुताबिक सोना, चांदी के सिक्के, गहने, मूर्ति जैसी चीजों की खरीद की जा सकती है।

कुबेर यंत्र भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि धनतेरस पर कुबेर यंत्र खरीदना भी शुभ माना जाता है। इसे अपने घर, दुकान के गल्ले या तिजोरी में स्थापित करना चाहिए. इसके बाद 108 बार 'ऊँ यक्षाय कुबेराय वैश्रववाय, धन-धान्यधिपतये धन-धान्य समृद्धि मम देहि दापय स्वाहा' मंत्र का जप करना चाहिए। इस मंत्र से धन की कमी का संकट दूर होता है।

श्री कुबेर मंत्रः

ॐ श्रीं ह्रीं दरिद्र विनाशनि धनधान्य समृद्धि देहि,

देहि कुबरे शंख विध्ये नमः ।।

तांबा

अंधकार से ब्रह्मांड को रोशन करने वाली मां कुष्मांडा, पूजन से पाएं आरोग्य और तेज

नवरात्रि में हम सभी मां दुर्गा के 9 रूपों की पूजा करते हैं और इन सभी 9 रूपों की अलग-अलग व्याख्या है और अलग कहानी है। इनमें से नवरात्रि के चौथे दिन मां कुष्मांडा की पूजा की जाती है। मां कुष्मांडा को सृष्टि की रचना करने वाली देवी के रूप में पूजा जाता है। मां दुर्गा के नौ रूपों में से एक कुष्मांडा देवी का नाम संस्कृत के दो शब्द 'कू' यानी छोटा, 'उष्मा' यानी गर्मी और 'अंडा' यानी दैवीय बीज से जुड़कर बना है। ऐसा इसलिए क्योंकि मां कुष्मांडा को सृष्टि का रचयिता माना जाता है। मां कुष्मांडा की भी मां दुर्गा की तरह शेर की सवारी करती हैं और सूर्य का तेज अपने साथ लेकर चलती हैं। मां आठ भुजाओं वाली मां शक्ति का प्रतीक मानी जाती हैं। मां कुष्मांडा की कहानी बेहद अनोखी है और उनकी शक्ति और समृद्धि की ताकत देती है। कई शास्त्रों में मां कुष्मांडा का जिक्र है, लेकिन इनकी कहानी देवी पुराण में लिखी है। कथा के मुताबिक जब ब्रह्मांड की रचना हुई थी, तब वह अंधकार से भरा हुआ था और पूरी तरह से खाली था। फिर मां कुष्मांडा ने इसको देखा और बस मुस्कुरा दीं। मां की मुस्कुराहट से उस खाली स्थान पर रोशनी का जन्म हुआ था। इसलिए मां कुष्मांडा को शक्ति और रोशनी का प्रतीक माना जाता है। जब मां मुस्कुराईं, तो उनकी छवि से रोशनी बनी और यह रोशनी धीरे-धीरे पूरे ब्रह्मांड में फैल गई। फिर सूर्य और अन्य सभी ग्रहों को जन्म हुआ। सूर्य के आने के बाद से पृथ्वी पर जीवन का विकास हुआ। पहले जल आया, फिर पेड़-पौधे, जानवर और फिर इंसान आए। इसलिए मां कुष्मांडा को जरूरी माना जाता है। कई बार मां कुष्मांडा का वर्णन अष्ट भुजाओं के लिए भी होता है और कई बार दस भुजाओं के साथ। मां कुष्मांडा सृष्टि को संभालती हैं और माना जाता है कि इनकी ऊर्जा से ही सृष्टि का संचालन होता है।

मां कुष्मांडा की पूजा नवरात्रि के 9 दिनों में से मां कुष्मांडा की पूजा में मालपुए का भोग लगाना चाहिए। इसके साथ ही सफेद कद्दू से बनी चीजों का भोग अर्पित किया जाता है। नवरात्रि के दिन सुबह उठकर स्नान आदि करके पीले कपड़े पहनें। मां कुष्मांडा को लाल फूल और पीले चंदन अर्पित किए जाते हैं। मां को भोग में मालपुआ देने के बाद आरती की जाती है। मालपुए के साथ आप अतिरिक्त फल और मिठाइयों को चढ़ा सकती हैं। मां कुष्मांडा को पीला और हरा रंग अतिप्रिय होता है। कुष्मांडा माता का मंदिर मां कुष्मांडा का वाराणसी में एक फेमस मंदिर है। इसके अलावा कानपुर के घाटमपुर इलाके में भी मां कुष्मांडा का मंदिर है। वहीं नेपाल में भी कुष्मांडा का मंदिर स्थित है। नवरात्रि के दौरान इन मंदिरों पर खासतौर पर भीड़ होती है। मां कुष्मांडा के लिए मंत्र मां कुष्मांडा के लिए 'या देवी सर्वभूतेषु कुष्मांडा रूपेण संस्थिता। नमस्तस्यै, नमस्तस्यै, नमस्तस्यै नमो नमः।' मंत्र दिया गया है। मां कुष्मांडा की आरती के साथ इस मंत्र का जाप भी कर सकती हैं।

आर्थिक राशिफल : मंगल पुष्य योग का दुर्लभ संयोग, दिवाली से पहले हनुमानजी की कृपा से वृषभ, कन्या समेत 5 राशियों के जातक पाएंगे लाभ

वृषभ राशि के लिए कल सितारे बताते हैं कि आपको कल कार्यक्षेत्र में भाग्य उन्नति का मौका प्रदान करेगा। भाग्य के सितारे आपके चमक रहे हैं। आपको कल बिजनेस में उम्मीद से बढ़कर आर्थिक लाभ मिलेगा। आपके सितारे बताते हैं कि आपको कल के दिन किसी अप्रत्याशित स्रोत से आर्थिक लाभ मिलेगा। आपको कल भाग्य कहीं से उपहार भी दिलवा रहा है। नौकरी में दोस्तों और सहकर्मियों के साथ आप मनोरंजक समय बिताएंगे। किसी मित्र या पड़ोसी से मिलने का अवसर मिलेगा। आपके सितारे बता रहे हैं कि कल का दिन आपको सरकारी कामें भी भी सफल बना रहा है। जो लोग नौकरी में बदलाव के लिए प्रयास कर रहे हैं उनको कोई बड़ा मौका मिलेगा। आप कल जीवनसाथी के साथ सुखद समय बिता पाएंगे।

कर्क राशि कल का दिन कर्क राशि के जातकों के लिए लाभदायक रहेगा[। आपको कल भाग्य आर्थिक लाभ के अवसर प्रदान करेगा। आपकी कमाई में वृद्धि होगी। आप कल बिजनेस में विस्तार योजना को लागू कर पाएंगे। आपको साझेदारो और सहयोगियों से पूरा सहयोग मिलेगा। आप कल दीर्घकालीन निवेश में धन लगाकर भी अच्छी कमाई कर पाएंगे। आपके सितारे बता रहे हैं कि आपको कल किसी मित्र या सगे संबधी की मदद से भी फायदा हो सकता है। वस्त्र और सुख साधन मिलने की आपको खुशी होगी। आपको परिवार के सदस्यों से कल पूरा सहयोग मिलेगा। वाहन सुख मिलने का भी योग बना हुआ है। किसी चली आ रही समस्या का समाधान होगा, जिससे आप राहत महसूस करेंगे। कर्क राशि के लिए कल मंगलवार के उपाय :आपको कल के दिन उपाय के तौर पर हनुमान चालीसा का पाठ करना चाहिए।

कन्या राशि के लिए कल सितारे बताते हैं कि आका दन कल सुख और आनंद में बीतेगा। आपकी लाइफ की चली आ रही कोई चिंता परेशानी दूर होगी। आपको भाग्य आर्थिक लाभ का अवसर प्रदान करेगा और बिजनेस मे आपकी कमाई में वृद्धि होगी। आप कोई नया काम या कारोबार भी कल शुरू कर सकते हैं। आपको पिता और पैतृक धन संपत्ति से भी लाभ मिलेगा। कन्या राशि के छात्र कल शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करेंगे। आपका मनोबल और आत्मविश्वास बढेगा। आपकी कोई अधूरी चाहत पूरी होगी। वैवाहिक जीवन में प्रेम और आपसी सामंजस्य बना रहेगा। किसी पूर्व परिचित की मदद से आपको लाभ मिलेगा। आपको भाग्य कल विदेशी संपर्क से भी लाभ मिल सकता है।

कन्या राशि के लिए कल मंगलवार के उपाय : कन्या राशि के जातकों को कल के दिन उपाय के तौर पर हनुमानजी को बूंदी का प्रसाद अर्पित करना चाहिए और प्रसाद बच्चों में बांट देना चाहिए।

वृश्चिक राशि के लिए कल सितारे बताते हैं कि आपका दिन कल खुशियों भरा रहेगा। आपको कल कार्यक्षेत्र में कोई नया अवसर मिल सकता है। आपके सितारे बताते हैं कि आपको कल के दिन कोई ऐसी खबर मिलेगी जिससे आपका मन आनंदित हो जएगा। आपको उपहार और मान सम्मान मिलने का भी योग बना हुआ है। आप कल के दिन किसी नए प्रोजेक्ट पर काम शुरू कर सकते हैं जिसका आपको भविष्य में लाभ मिलेगा। कोर्ट कचहरी से संबंधित मामला हो या सरकारी क्षेत्र से संबंधित कल का दिन आपके लिए इन मामलों में सकारात्मक परिणाम प्रदान करने वाला रहेगा। आपके सितारे बताते है कि आपके घर में कल कोई सुख साधनों में वृद्धि करने वाला सामान आ सकता है जिससे खुशी का माहौल रहेगा।

वृश्चिक राशि के लिए कल मंगलवार के उपाय : आपको कल उपाय के तौर पर तुलसी को दूध और जल मिलाकर अर्पित करना चाहिए। तुलसी माता को दीप भी दिखाएँ।

मकर राशि के लिए सितारे बताते हैं कि आपका कल के दिन भाग्य आर्थिक लाभ दिलाएगा। नौकरी में आपका प्रभाव और सम्मान बढेगा। किसी पुराने परिचित से मुलाकात हो सकती है जिससे आपको कोई आनंददायक खबर मिलेगी। आप कल कोई नया काम या नई योजना की शुरुआत कर सकते हैं। बिजनेस में आपको कल भाग्य कमाई का विशेष अवसर प्रदान करेगा। जो जातक बिजली के उपकरण और वाहन से संबंधित काम करते हैं उनको कमाई का विशेष मौका मिलेगा। आपको कल पिता और पैतृक पक्ष से भी लाभ का मौका मिलेगा।

आंखों और चेहरे से जानें लोगों के दिल का राज

कई बार व्यक्ति बिना कुछ कहे ही बहुत कुछ कह जाता है, बस सामने वाले को इसे भांपना आना चाहिए। नीति शास्त्र की ज्ञान भरी बातें लक्षणों के आधार पर व्यक्ति के मन का भेद बताती हैं, जिन्हें जानकर बिना जन्मकुण्डली या ग्रहदशा देखे ही यह अनुमान लगाया जा सकता है कि व्यक्ति का कार्य सामने वाले व्यक्ति से बनेगा या नहीं। अक्सर हम किसी से कुछ मांगते हैं या कोई आग्रह करते हैं, पर सामने वाला व्यक्ति 'हां' कहेगा या 'न', यह उसकी आंखों, मुखमुद्रा और व्यवहार से पहले ही समझा जा सकता है। यदि किसी व्यक्ति को किसी को कुछ देने की भावना होती है, तो उसके चेहरे पर सहज सौम्यता दिखाई देती है, उसकी आंखों में स्नेह और प्रसन्नता झलकती है। ऐसा लगता है मानो मन की सहमति चेहरे से प्रकट हो रही हो। यह वही क्षण होता है जब हमें विश्वास हो जाता है कि हमारी इच्छा पूरी होने वाली है। किसी कवि ने कहा है, आंखें मन की बातों को प्रकट कर देती हैं,

जैसे दर्पण मुख की हर विकृति को साफ़ दिखा देता है। जब व्यक्ति 'ना' कहना चाहता है, तब उसका व्यवहार एकदम बदल जाता है। प्राचीन ग्रंथों में "न कार षट् लक्षणम", यानी 'न' के छह लक्षण बताए गए हैं, मौन हो जाना, कल परसों आना, आसमान को देखना, आंखें नीची कर लेना, चलने को उद्यत हो जाना, अन्य व्यक्ति से बात प्रारम्भ कर देना। मौनं काल विलम्बश्च, भृकुटि भूमि-दर्शनम्। प्रयाणान्य वार्ता च, न कार षट् लक्षणम्।। इनमें से एक भी लक्षण यदि दिख जाए, तो समझ लेना चाहिए कि व्यक्ति का मन 'ना' कह चुका है, चाहे उसके होंठ अब तक मौन हों। वास्तव में, मनुष्य का मौन, दृष्टि और आचरण में उसके मनोभावों की सच्ची अभिव्यक्ति छिपी होती है। शब्द तो केवल औपचारिकता हैं, निर्णय तो चेहरे की झलक, आंखों की भाषा और व्यवहार के संकेत पहले ही दे देते हैं। यही मनोविज्ञान की वह सूक्ष्म कला है, जो हमें दूसरों को समझने की शक्ति प्रदान करती है।

वीर विष्णु सिंह महाविद्यालय में एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन

सूचना प्रौद्योगिकी आज के युग की जीवन रेखा है -पाटिल

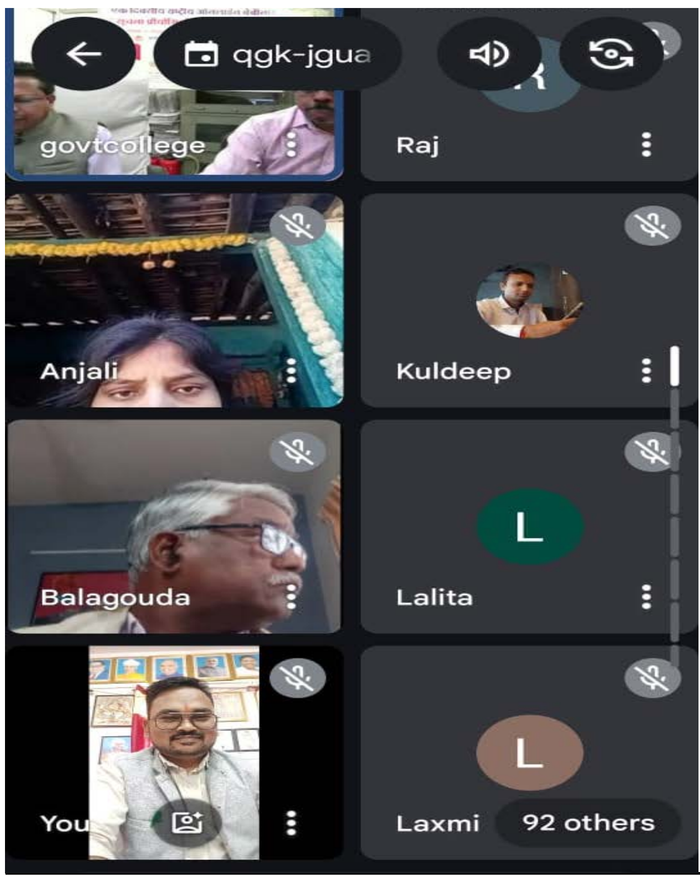

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

वीर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी सरदार विष्णु सिंह उईके शासकीय महाविद्यालय सारनी में सूचना प्रौद्योगिकी प्रबंधन और प्रसार विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य प्रदीप पन्द्राम के मार्गदर्शन में संपन्न किया गया।इस वेबिनार में मुख्य वक्ता आयुष दयानी आईटी हेड महाराष्ट्र एवं डॉक्टर बाला गौडा पाटिल असिस्टेंट प्रोफेसर संकेश्वर कर्नाटक ने सूचना प्रौद्योगिकी प्रबंधन और प्रसार पर अपने विचार व्यक्त किये,उन्होंने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी आज के युग की जीवन रेखा है। सूचना प्रौद्योगिकी हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर का मिश्रण है जो आज के समय में प्रासंगिक है। प्राचार्य प्रदीप पंद्राम ने विषय के महत्व के साथ हमारी जिम्मेदारी बताते हुए कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी केवल विकास का साधन नहीं बल्कि सशक्तिकरण का पुल है हमारा प्रयास होना चाहिए कि यह पुल गांव से शहर, छात्र से शोधकर्ता,किसान से उद्यमी और नागरिक से शासन सबको जोड़ने का काम करता है।वेबिनार का अर्थ है वेब और सेमिनार का मिश्रण जो इंटरनेट पर आयोजित एक लाइव ऑनलाइन कार्यक्रम होता है। इसमें एक

या कई प्रस्तुतकर्ता एक बड़े दर्शकों को वीडियो,ऑडियो और सामग्री साझा करके जानकारी देते हैं,और प्रतिभागी ऑनलाइन माध्यमों से बातचीत कर सकते हैं। वेबिनार की मुख्य बाते यह एक ऑनलाइन सेमिनार या प्रस्तुति है जिसे इंटरनेट के माध्यम से आयोजित किया जाता है। इसमें एक या अधिक मुख्य वक्ता (प्रस्तुतकर्ता) होते हैं जो एक बड़े दर्शक वर्ग को संबोधित करते हैं। शासकीय महाविद्यालय के प्राचार्य ने वेबिनार के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि आमतौर पर लाइव होते हैं, लेकिन इन्हें रिकॉर्ड भी किया जा सकता है ताकि बाद में देखा जा सके। प्रतिभागी प्रश्नोत्तर सत्र के माध्यम से प्रस्तुति के दौरान भी इंटरैक्ट कर सकते हैं।उन्होंने बताया कि प्रस्तुतकर्ता अपनी स्क्रीन, प्रेजेंटेशन स्लाइड,वीडियो और ऑडियो दर्शकों के साथ साझा कर सकते हैं। इसे वेब इवेंट,ऑनलाइन सेमिनार,वेब लेक्चर और वर्चुअल इवेंट जैसे नामों से भी जाना जाता है।उन्होंने दोनों वक्ताओं का स्वागत वंदन अभिनंदन किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ भीमराव अंबेडकर द्वारा किया गया इस अवसर पर महाविद्यालय का समस्त स्टाफ एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

रानीपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में महिला डॉक्टर की नियुक्ति से ग्रामीणों में खुशी की लहर

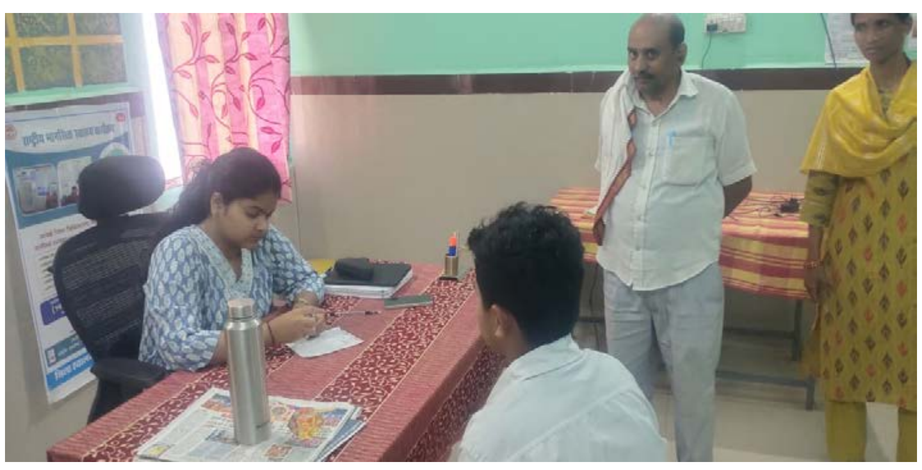

अब महिलाओं का इलाज रानीपुर में होगा बैतूल या घोड़ाडोंगरी नहीं जाना पड़ेगा

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

लंबे समय से महिला चिकित्सक की कमी झेल रहे रानीपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में आखिरकार महिला डॉक्टर की नियुक्ति हो गई है। डॉ. आस्था बंसल के पदस्थ होने से न केवल रानीपुर बल्कि आसपास के करीब 50 से अधिक गांवों की महिलाओं को बड़ी राहत मिली है।अब तक प्रसूति महिला रोगों से जुड़ी जांच और इलाज के लिए मरीजों को बैतूल या घोड़ाडोंगरी तक जाना पड़ता था,जिससे समय और खर्च दोनों की मार झेलनी पड़ती थी।डॉ.बंसल की नियुक्ति के बाद ग्रामीणों में हर्ष का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अब महिलाओं को प्राथमिक इलाज से लेकर जरूरी जांच तक की सुविधा गांव के पास ही मिल सकेगी। ग्रामीणों ने इसे प्रशासन की सराहनीय पहल बताया और उम्मीद जताई कि जल्द ही स्वास्थ्य केंद्र में अधिक सुविधाएं व स्टाफ बढ़ाकर इसे मॉडल पीएचसी बनाया जाएगा। जो उपचार का लाभ महानगरों में लेना पढ़ता था वह लाभ स्थानीय स्तर पर भी ग्रामीणों को उपलब्ध हो सके।

रामलीला : केवट की नाव में बैठकर प्रभु ने की गंगा पार

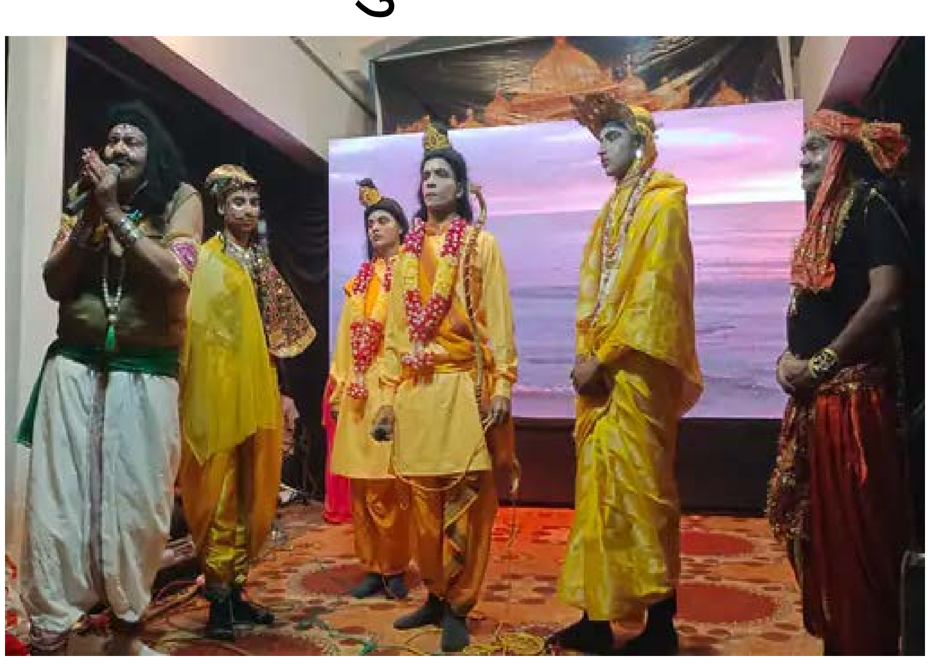

दैनिक कारखाने का सफर। मुलताई

गांधी चौक में चल रही रामलीला में रविवार रात को केवट द्वारा प्रभु राम, लक्ष्मण और सीता को गंगा पार कराने की लीला हुई। केवट और निषादराज के बीच हास परिहार से दर्शकों का मनोरंजन हुआ। लीला देखने बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित हुए। रामलीला की शुरुआत प्रभु राम के वनवास और निषादराज के दरबार से हुई। पिता के वचनों को पूरा करने श्रीराम, लक्ष्मण और पत्नी सीता के साथ वन की ओर रवाना हुए। वन में श्रीराम के आने की सूचना मिलते ही निषादराज फल लेकर उनके पास पहुंचे। श्रीराम और निषादराज के बीच मार्मिक संवाद हुआ। विश्राम करते समय निषादराज और लक्ष्मण के बीच संवाद हुआ। इसके बाद केवट का प्रसंग हुआ। श्रीराम ने नदी पार करने के लिए केवट को बुलाया। केवट ने कहा श्रीराम के चरणों से पत्थर नारी हो गई थी। प्रभु के चरणों से नाव भी नारी बन गई तो जीविका कैसे चलेगी। केवट ने श्रीराम के चरणों को पखारने की इच्छा जताई। इसके बाद श्रीराम के चरण धोकर केवट ने प्रभु राम, लक्ष्मण और सीता जी को नाव में बैठाकर गंगा पार कराई। नगर के स्थानीय कलाकारों द्वारा रामलीला में अभिनय किया जा रहा है। नारायण पेंटर द्वारा सभी पात्रों का आकर्षक श्रृंगार किया जा रहा है। राम का अभिनय राहुल शर्मा, लक्ष्मण का अमृत त्रिवेदी, दशरथ का जीजी घोड़े, निषादराज का विष्णु अग्रवाल और केवट का शानदार अभिनय बालकिशन चंदेल ने किया।

जनप्रतिनिधि की संवेदना हुई शून्य मां के हाथ से पिलवाते रहे जहर

आमला ब्लॉक और परासिया में 25 बच्चों की मौत और विधायक कर रहे दाल बाटी का कार्यक्रम -इलियास

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

संपूर्ण प्रदेश में छिंदवाड़ा जिले के परासिया और आमला ब्लॉक में 25 बच्चों की मौत से हड़कंप मच गया है अभी बच्चों के मौत का मातम भी खत्म नहीं हुआ है कि भारतीय जनता पार्टी आमला विधानसभा क्षेत्र के विधायक डॉक्टर योगेश पंडाग्रे के माध्यम से 14 अक्टूबर को दीपावली मिलन समारोह का आयोजन किया जा रहा है, इससे यह प्रतीक होता है कि भारतीय जनता पार्टी के जन प्रतिनिधियों की संवेदनाएं मर चुकी है,यह आरोप लगाने का काम कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष मोहम्मद इलियास के माध्यम से किया गया है उन्होंने बताया कि 3 सितंबर को पहले बच्चे की मौत हुई थी उसके बाद 26 सितंबर को सिरप की जांच करने के लिए भेजने का काम प्रशासनिक महक में के द्वारा किया गया था इसके बाद कांग्रेस के माध्यम से इसका विरोध प्रदेश स्तर पर किया गया तब जाकर प्रदेश सरकार जागी और प्रदेश के मुख्यमंत्री उपमुख्यमंत्री और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष का लगातार वहां जाना हुआ लेकिन खामियाजा और कमी की छानबीन करने के बजाय प्रशासन ने डॉक्टर प्रवीण सोनी के खिलाफ धारा 105,276 औषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम 1940 27(ए) के तहत कार्रवाई करते हुए अपने कार्य से इति श्री कर लिया है। जबकि इस सिरप को बेचे जाने की अनुमति किसने दी यह सिरप कितने बच्चों को वितरण किया गया कितने बच्चों का अभी स्वास्थ्य ठीक है और किन बच्चों का स्वास्थ्य खराब है इस पर पहल करने और सुधार करने के बजाय सत्ता में बैठी भारतीय जनता पार्टी की सरकार अपने विधानसभा क्षेत्र में दीपावली मिलन समारोह का आयोजन करके मृतक बच्चों के परिजनों को यह संदेश देने का काम कर रहे हैं कि उनके यहां किसी भी तरह की अनहोनी हो उसे सत्ता में बैठे नेताओं को कोई जन सरोकार नहीं है। आमला विधानसभा में दो बच्चों की मौत हो गई मृतक बच्चों के घर विधायक प्रदेश की उपमुख्यमंत्री और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के माध्यम से जनसंपर्क किया गया लेकिन मृतक परिवार के लोगों को किसी भी तरह की आर्थिक सहायता देने का काम नहीं किया गया है जिसकी जिला कांग्रेस कमेटी घोर निंदा करते हुए मृतक बच्चे के परिजनों को एक-एक करोड रुपए की राहत राशि दिए जाने की मांग और 14 अक्टूबर को आमला में आयोजित होने वाले दीपावली मिलन समारोह की निंदा करती है।

सांसद खेल महोत्सव के तहत आज होंगे कबड्डी, वालीबॉल खो-खो बैडमिंटन एवं एथलेटिक्स स्पर्धाओं के आयोजन

नगर पालिका सारनी क्लस्टर के पंजीकृत खिलाड़ी ले सकेंगे हिस्सा अन्य खेलों के आयोजन द्वितीय चरण में

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

नगर पालिका परिषद सारनी के क्लस्टर क्षेत्र में सांसद खेल महोत्सव का आयोजन मंगलवार को किया जाएगा। इसके तहत विभिन्न स्कूलों एवं मैदानों पर पंजीकृत खिलाड़ी खेल स्पर्धाओं में हिस्सा ले सकेंगे।मुख्य नगर पालिका अधिकारी सी.के.मेश्राम ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार सांसद खेल महोत्सव के आयोजन हेतु सारनी नगरीय क्षेत्र एवं क्लस्टर में शामिल आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों के खिलाड़ियों को खेल के लिए मंच प्रदान करने के लिए पंजीयन का कार्य 29 अगस्त से 20 नवंबर तक किया गया। इस अवधि में पंजीकृत खिलाड़ी मंगलवार 14 अक्टूबर को आयोजित खेल स्पर्धाओं में हिस्सा ले सकेंगे। नोडल अधिकारी केके भावसार ने बताया कि इसके तहत कन्या स्कूल सारनी में खो-खो एवं कबड्डी स्पर्धा, ताल कटोरा स्टेडियम में वालीबॉल,वर्कर्स क्लब शोभापुर,ऑफिसर्स क्लब सारनी में बैडमिंटन एवं विजय क्रीड़ांगन पाथाखेड़ा में एथलेटिक्स स्पर्धा होगी। इसमें पूर्व से पंजीकृत खिलाड़ी हिस्सा ले सकते हैं। वे संबंधित मैदानों, स्कूलों में पहुंचकर अपने खेल शिक्षक, प्रभारियों से संपर्क कर सकते हैं।

सीपीआर सप्ताह शुरू, स्वास्थ्य संस्थाओं में शपथ दिलाई

बैतूल में मंगलवार से प्रशिक्षण, 13 से 17 अक्टूबर तक चलेगा अभियान

दैनिक कारखाने का सफर। बैतूल

देशभर में 13 से 17 अक्टूबर तक कार्डियो पल्मोनरी सप्ताह (CPR WEEK) मनाया जा रहा है। इसी के तहत सोमवार, 13 अक्टूबर को सभी स्वास्थ्य संस्थानों में सीपीआर (CARDIO PULMONARY RESUSCITATION) की शपथ दिलाई गई। बैतूल जिला अस्पताल में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (CMHO) डॉ. मनोज हुरमाड़े ने डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ, पैरामेडिकल कर्मचारियों और अन्य स्टाफ को शपथ दिलाई। इस दौरान सिविल सर्जन डॉ. जगदीश घोरे और जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. प्रांजल उपाध्याय भी मौजूद रहे। डॉ. हुरमाड़े ने बताया कि सीपीआर एक जीवनरक्षक तकनीक है, जो तब दी जाती है जब किसी व्यक्ति की सांस या दिल की धड़कन रुक जाती है। यह प्रक्रिया हृदय और फेफड़ों के काम को दोबारा शुरू करने में मदद करती है, जिससे रक्त संचार बना रहता है। सीपीआर दिल का दौरा, डूबने या दम घुटने जैसी स्थितियों में व्यक्ति की जान बचा सकती है। सीपीआर सप्ताह के तहत कई कार्यक्रम रखे गए हैं। 13 अक्टूबर को शपथ कार्यक्रम हुआ, 14 अक्टूबर को वेबिनार के जरिए सीपीआर तकनीक पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। 15 अक्टूबर को डॉक्टरों, नर्सों और छात्रों को सीपीआर का लाइव डेमो दिखाकर प्रशिक्षण दिया जाएगा। 16 अक्टूबर को आम लोगों के बीच जागरूकता फैलाने के लिए पोस्टर प्रतियोगिता, क्विज और रैली निकाली जाएगी। 17 अक्टूबर को रेडक्रॉस सोसायटी और सामाजिक संगठनों के सहयोग से सीपीआर प्रशिक्षण शिविर लगाए जाएंगे। डॉ. हुरमाड़े ने बताया कि 14 अक्टूबर को जिलेभर में प्रशिक्षण कार्यक्रम होंगे और 15 अक्टूबर को आम जनता को सीपीआर सिखाई जाएगी ताकि आपात स्थिति में किसी की जान बचाई जा सके। उन्होंने कहा कि सीपीआर शुरू करने से पहले तुरंत 102 या 112 पर कॉल करना जरूरी है। सीपीआर हमेशा सफल न हो, लेकिन सही समय पर की गई यह प्रक्रिया कई बार जीवनदान साबित होती है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मधुवर मोहन द्विवेदी द्वारा इंडिपेंडेट प्रेस, 11 प्रेस काम्पलेक्स, एमपी नगर जोन-1 भोपाल 462023 म.प्र. से मुद्रित एवं 201 ब्लाक ई, सागर प्रीमियम टावर जेके हॉस्पिटल, कोलार रोड, भोपाल म.प्र. से प्रकाशित।
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा) संपादक- सुनील यादव, समाचार संपादक- राहुल कौशिक। फोन नं. 0755-4262585-9425006706, मो. नंबर 9826697203, 9926288166, RNI.No. MPHIN/2020/78949